



सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



विश्व शांति दिवस पर गायत्री यज्ञ में दी आहुतियां, विश्व शांति की कामना **पेज: 3**

पहली बार ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का **पेज: 8**

वर्ष : 02	अंक : 168	मंगलवार 22 सितंबर 2026	अमरोहा (उत्तर प्रदेश)	www.sabkasapna.com	पृष्ठ : 08	मूल्य: 2 रुपए
------------------	------------------	-------------------------------	------------------------------	---------------------------	-------------------	----------------------

पटना में कलयुगी बटे ने मां को जिंदा जलाया, खुद को बताया भगवान

पटना (एजेंसी)। पटना में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ दीवान मोहल्ले में एक बटे पर अपनी 60 वर्षीय माँ को जिंदा जलाकर मार डालने का आरोप है। मृतका की पहचान मंजू देवी के रूप में हुई है। आरोपी बेटा, चिट्ठू कुमार, जो ऑटो रिक्शा चलाता है, कथित तौर पर नशे का आदी है। आरोप है कि नशे की हालत में उसने अपनी माँ को घर के अंदर ही आग के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक मंजू देवी की मौत हो चुकी थी। जब पुलिस आरोपी चिट्ठू को गिरफ्तार करने पहुंची, तब आरोपी ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट भी की, लेकिन आखिरकार आरोपी को काबू किया गया। गिरफ्तारी के बाद भी उसकी हरकतें असामान्य थीं, वह पुलिस के सामने खुद को भगवान बताकर कह रहा था कि उसने ही अपनी माँ को मारा है। पुलिस ने मंजू देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आरोपी चिट्ठू कुमार से गहन पूछताछ कर रही है और इस खौफनाक हत्या के पीछे की सही वजह के साथ-साथ वारदात के समय सेवन किए गए नशे के प्रकार का भी पता लगाने में जुटी है।

ओडिशा पुलिस ने किया ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश

-1 करोड़ की घोखाधड़ी और 86 सिम जब्त

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा पुलिस ने बड़े अंतर-राज्यीय ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश कर छत्तीसगढ़ और झारखण्ड से इसके तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह पर लोगों को जमा राशि पर भारी रिटर्न का झूठा लालच देकर करीब 1 करोड़ की घोखाधड़ी करने का आरोप है। गंजांग जिले के छत्रपुर में साइबर पुलिस अधिकारियों ने कारवाई करते हुए पालुगढ़द से संचालित इस गिरोह के सदस्यों को दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान झारखंड के रामगढ़ के शत्रुघ्न कुमार पांडे (26) और छत्तीसगढ़ के धर्मरस मणिपकपुरी (30) तथा गुजराती सेठी उर्फ सूरज (30) के रूप में हुई है। छत्रपुर साइबर पुलिस स्टेशन के इंवांज इंस्पेक्टर ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी एप चलाने और उन्हें बढ़ावा देने वाले एक गिरोह की सूचना मिलने पर एक घर पर छापा मारा गया। इस दौरान चार लोग मौजूद थे, जिनमें से दो भाग निकले और दो को मौके पर ही पकड़ा गया। शुरुआती पूछताछ में पकड़े गए लोगों ने अपनी सलिस्तता स्वीकार की और अन्य साधियों के नाम भी बताए, जिसके बाद शत्रुघ्न को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो लैपटॉप, एक क्रोमबुक, 78 एटीएम और अन्य कार्ड, 16 बैंक पासबुक, 14 स्मार्टफोन, 86 सिम कार्ड और एक बाइक सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। पुलिस ने जाकजारी दी कि डिजिटल उपकरणों की जांच में कई ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी एप के इस्तेमाल का पता चला है, साथ ही भारी मात्रा में पैसें के लेन-देन के संकेत मिले हैं। पुलिस अब पैसें के पूरे लेन-देन, गिरोह के काम करने के तरीके और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए आगे की जांच और फॉरेंसिक विश्लेषण कर रही है।

आवारा पशु संबंधी एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की उस याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करने पर सोमवार को सहमति जताई जिसमें देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने के लिए उसे दिए गए निर्देश को चुनौती दी है। एनएचएआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश सुर्यकांत, न्यायमूर्ति जय्यामात्या बागवी और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष दलील दी कि न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने एनएचएआई को आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया था, जबकि यह जिम्मेदारी स्थानीय निकायों और प्रशासन की है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एनएचएआई को देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया गया है और प्राधिकरण के अनुमान के मुताबिक इसमें करीब 7,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा, हमारा पक्ष यह है कि यह काम स्थानीय जिला प्रशासन को करना चाहिए। हम इसे पूरे देश के स्तर पर नहीं कर सकते। उन्होंने एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारीया की विशेष पीठ के पुनर्गठन की भी अनुरोध किया। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ से कहा, आवारा कुत्ते से जुड़ा एक मामला है।

दिल्ली की रोहिणी जेल में विचाराधीन कैदी की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की रोहिणी जेल में रविवार को एक विचाराधीन कैदी की हत्या कर दी गई। मृतक कैदी की पहचान प्रमोद के तौर पर हुई है, जिसे आर्म्स एक्ट के एक मामले में जेल भेजा गया था। बताया जा रहा है कि जेल के अंदर साथी कैदियों ने ही उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए प्रमोद को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रूसी तेल खरीदारों पर प्रतिबंध से जुड़े नए अमेरिकी कानून का अध्ययन कर रहा भारत: पीयूष गोयल

नई दिल्ली: केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग

मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत पहले रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए अमेरिकी कानून के तहत लगाए जा सकने वाले टैरिफ के विवरण का अध्ययन करेगा। इसके बाद इस मामले पर हूउचित समय पर चर्चा की जाएगी। केन्द्रीय मंत्री का यह बयान हॉलिंगडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट, 2026 के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में आया है, इसे हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कानून का रूप दिया है। नए कानून के तहत अमेरिकी प्रशासन उन देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकता है, जो रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं। इस कदम से भारत और चीन जैसे बड़े खरीदारों के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर अधिक शुल्क लग

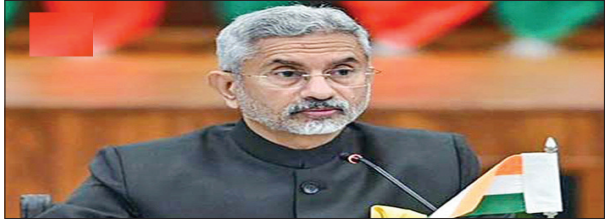


सकता है। पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, इसके विवरण अब सामने आ रहे हैं। हम उनका अध्ययन करेंगे और उचित समय पर इस मामले पर चर्चा करेंगे।

100 प्रतिशत टैरिफ कोई स्वचालित शुल्क नहीं है, बल्कि यह नए कानून के तहत अमेरिका द्वारा लगाया जा सकने वाला अधिकतम टैरिफ है। इस बीच, भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार

समझौते पर बातचीत जारी रखे हुए हैं और दोनों पक्ष इस मुद्दे पर नियमित संपर्क में हैं। गोयल इस महीने के अंत में मिन्सकी में होने वाली जी20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान अमेरिकी

दिल्ली वोटर लिस्ट में बड़ा अपडेट: आडवाणी, जयशंकर सहित दिग्गजों को मिले नोटिस



नई दिल्ली, एजेंसी। सूची से नाम मेल न खाने के कारण दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चौकाने वाले अपडेट सामने आए हैं। कई प्रमुख हस्तियों को उनकी मतदाता जानकारी में मिली विसंगतियों के चलते नोटिस भेजा गया है। इसमें पूर्व उप-प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस.जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और चुनाव आयुक्त कुमार, नीति आयोग के पूर्व वाइस-प्रधानमंत्री जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह प्रक्रिया झपट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद सत्यापन चरण के तहत चल रही है। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक 33.13 लाख से अधिक मतदाताओं को उनके प्रगणन फॉर्म में दर्ज जानकारी में गड़बड़ी के कारण नोटिस जारी किए हैं। इन गड़बड़ियों में से कई मामले हैं जहाँ वर्तमान जानकारी 2002 में हुए पिछले एसआईआर के दौरान दर्ज डेटा से मेल नहीं खाती। यह दर्शाता है कि लंबे समय से मतदाता रिकॉर्ड में अपडेट की आवश्यकता थी। पूर्व उप-प्रधानमंत्री आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू मतदाता रिकॉर्ड में त्रुटियों के चलते नोटिस मिले हैं।

सूची से नाम मेल न खाने के कारण नोटिस मिले हैं। वहाँ, विदेश मंत्री जयशंकर और उनकी पत्नी क्योकी चौकाने वाले अपडेट सामने आए हैं। कई प्रमुख हस्तियों को उनकी मतदाता जानकारी में मिली विसंगतियों के चलते नोटिस भेजा गया है। पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश को उनके रिकॉर्ड में दर्ज सरकारी आवास के पते से संबंधित गड़बड़ी के लिए नोटिस दिए हैं। मिन्की, जेएनयू के पूर्व वीसी एम. जगदीश कुमार, नीति आयोग के पूर्व वाइस-प्रधानमंत्री अरविंद पनगढ़िया, सीबीआई निदेशक प्रवीण सुंद जैसे कई अन्य नेता-माने लोग भी शामिल हैं, जिन्हें मतदाता रिकॉर्ड में त्रुटियों के चलते नोटिस मिले हैं।

बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस का मोदी सरकार पर तंज: क्या हुआ तेरा वादा?

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि बेलगाम महंगाई ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का जीना मुहाल किया है, लेकिन अच्छे दिन का वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस गंभीर मुद्दे पर चुपभी साधे हुए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 1977 की मशहूर हिंदी फिल्म हम किसी से कम नहीं के एक गाने का जिक्र कर मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, क्या हुआ तेरा वादा? वो कसम, वो झूठाद? रमेश ने दावा किया कि बीते एक माह में मसालों, दालों और खाने के तेल सहित कई जरूरी खाद्य पदार्थों के दाम में 10 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है, इस महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि छोटी इलायची की कीमत सितंबर के बीच इसकी अखिल भारतीय किलोग्राम, जबकि जावित्री 2,500 से बढ़कर 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम हुई है। दालों में, अरहर दाल की कीमत 100 से बढ़कर 130 रुपये प्रति किलोग्राम और



उड़द दाल 120 से बढ़कर 140 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। सरसों तेल और सफोला तेल की कीमतों में भी क्रमशः 20 और 40 रुपये प्रति लीटर का उछाल आया है। कांग्रेस नेता रमेश ने विशेष रूप से प्याज की कीमतों का हवाला देकर कहा कि जून से सितंबर के बीच इसकी अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 29.50 से बढ़कर 53.78 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जो लगभग 82.3 प्रतिशत की भारी वृद्धि है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बढ़ती महंगाई

के कारण गरीब परिवारों के लिए दाल और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री खरीदना अब मुश्किल होता जा रहा है। कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री मोदी पर महंगाई के मुद्दे पर जानबूझकर चुप रहने का आरोप लगाकर सवाल किया, देश पछु रहा है कि अच्छे दिन कहाँ गए प्रधानमंत्री मोदी जी? सिर्फ प्रवचनों में बचे हैं क्या? उन्होंने केंद्र सरकार की चुप्पी पर रोष व्यक्त कर पूछा, जनता भूखी रहे, मोदी सरकार चुप रहेज्या यही है नया भारत?

राजनीति ‘अंडा अटैक’ का बढ़ा ट्रेंड: पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ सिलसिला पंजाब तक पहुंचा

नई दिल्ली,, एजेंसी। देश की राजनीति में विरोध प्रदर्शन का एक नया और हिंसक स्वरूप तेजी से पैर पसार रहा है। पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ नेताओं पर अंडा फेंकने (अंडा अटैक) का सिलसिला अब देश के अन्य राज्यों में भी पहुंच गया है। हाल ही में पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के काफिले पर हुए अंडा अटैक के बाद राजनीतिक हलकों में बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर गर्म हो गया है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी की सरकार जाने के बाद से नेताओं पर अंडे से अटैक करने का सिलसिला तेजी से शुरू हुआ था, जिस पर लगातार चर्चाएं भी

हो रही थीं। सरकार ने इसे रोके जाने और उचित कार्रवाई करने का कोई ठोस कदम भी नहीं उठाया, जिसका अब असर अन्य राज्यों में देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि पंजाब में नशे के खिलाफ निकाली जा रही एक यात्रा के दौरान भाजपा नेताओं और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर अंडे और टमाटर फेंके गए। घटना के बाद रवनीत बिट्टू ने मीडिया के सामने अंडे और टमाटर दिखाते हुए आरोप लगाए। उन्होंने इसे पंजाब सरकार और स्थानीय पुलिस की शह पर रचा गया प्रायोजित हमला करार दिया। वहीं दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी ने

भी पश्चिम बंगाल की सरकार की ही तरह दावा किया है कि यह जनता के प्रति भड़का। इस बीच, आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने भी पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब जेड-प्लस सुरक्षा प्राप्त नेताओं की गाड़ियों पर हमले हो रहे हैं, तो राज्य में आम नागरिक कितना सुरक्षित होंगे?

.....**पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ था ट्रेंड**.....

गौरतलब है कि नेताओं पर सार्वजनिक स्थलों या गाड़ियों पर अंडे फेंकने की घटनाएं सबसे पहले पश्चिम बंगाल में चर्चा में आई थीं। वहा सरकार जाने के

बाद तुण्मूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोद्ग्रा समेत कई नेताओं को अलग-अलग मौकों पर ऐसी घटनाओं का सामना करना पड़ा था। पश्चिम बंगाल की बैठकों, रैलियों और काफिलों पर अंडे फेंकने की इन घटनाओं को लेकर कई बार सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित जांच थे।

.....**लोकतंत्र के लिए चिंताजनक ट्रेंड**.....

विश्लेषकों का मानना है कि चाहे पश्चिम बंगाल हो या पंजाब, किसी भी राज्य में नेताओं पर इस प्रकार के हमले लोकतंत्र में स्वस्थ विरोध का प्रतीक नहीं हैं। विरोध दर्ज कराने की आड़ में इस तरह के तरीके अपनाना न केवल कानून-



व्यवस्था की पोल खोलता है, बल्कि राजनीतिक माहौल को भी खराब करता है। अंडा और टमाटर फेंकने की यह राजनीति अब देश के अन्य राज्यों में भी

एक खतरनाक ट्रेंड का रूप लेती दिख रही है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार करने की आवश्यकता है।

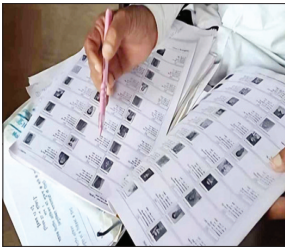
नहीं बनने देंगे भाजपा सरकार, किसी भी पार्टी से गठबंधन करने के लिए तैयार-ओवैसी

कानपुर । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम के सर्वेसां असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार न बने, इसके लिए उनकी पार्टी किसी भी दल से गठबंधन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि गैर भाजपाईं पार्टियों से गठबंधन के लिए बात चल रही है। दो अक्टूबर तक गठबंधन के लिए इंतजार कर रहे हैं। जिसके साथ गठबंधन होगा, उसी के साथ प्रदेश में एआईएमआईएम के चुनाव लड़ेंगे। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार रात में यहां बाबूपुरवा इंदगाह मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में मुसलमानों का विकास नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना बाबा, भइया कहकर दोनों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में मस्जिद और यहां बर्रा में कब्रिस्तान तोड़ना अराजकता है।

एसआईआर : 37 लाख अपीलों को निपटाने में लगेंगे 12 साल

कोलकाता , एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद, दोबारा नाम शामिल करने के लिए 37 लाख से अधिक अपीलों का निपटारा है कि मौजूदा गति से इन अपीलों का निपटारा करने में लगभग 12 साल का समय लग जाएगा। पिछले पांच महीने में मात्र 1 लाख 26 हजार मामलों का ही निपटारा हो पाया है। आयोग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, प्रति माह औसतन लगभग 25 हजार 238 मामलों का निपटारा हो रहा है, जिसमें शनिवार और रविवार की छुट्टियों को शामिल नहीं किया गया है। 16 सितंबर तक कुल 37,05,235 मामले लंबित हैं। इस गति से, यदि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित ट्राइब्यूनल सातों दिन बिना किसी



छुट्टी के काम करता है, तो भी सभी अपीलों निपटाने में कम से कम 146 महीने, यानी लगभग 12 साल से अधिक का समय लगेगा। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि मौजूदा ढांचा और कर्मचारियों की संख्या इतनी बड़ी संख्या में मामलों को निपटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। आयोग ने ट्राइब्यूनल की संख्या 24 से बढ़ाकर 42 करने का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त, न्यायिक अधिकारियों को घर से काम करने

की सुविधा देने से भी प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। तुण्मूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद डेेक ओ ब्रायन ने इन अपीलों के शीघ्र निपटारे को लेकर एक याचिका दायर की थी, जिसके जवाब में चुनाव आयोग ने ये जानकारी दी है। इस बीच, कांग्रेस ने इस अभियान की कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने को शाह इस्तीफेस्ट रिमूवल (शाह के इशारे पर मतदाताओं के नाम हटाने की) प्रक्रिया और संविधान पर हमला करार दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि हटाए गए नामों में सबसे अधिक संख्या समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे कमजोर और वंचित वर्गों से आने वाले मतदाताओं की है।

संपादकीय

असुविधाओं की रेल

वैसे तो दावे किए जाते रहे हैं कि भारतीय रेलवे को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है, लेकिन हकीकत निराश करने वाली है। विडंबना यह है कि तमाम मुश्किलों में सफर करने वाला यात्री शिकायत दर्ज कराने के बजाय अपने गंतव्य स्थान पर पहले पहुंचना चाहता है। जिसके चलते सभी खामियों के साथ भारतीय रेल ढर्रे पर ही चल रही है। पिछले महीने संसद में पेश कैग की रिपोर्ट में सैकड़ों रेलवे स्टेशनों में पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी का उल्लेख किया गया था। यहां तक कि पेयजल में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले जीवाणु पाये जाने की बात कही गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि 89 फीसदी स्टेशनों में बैठने की पर्याप्त जगह, पंखे, मार्गदर्शन करने वाले चिन्हों तथा शौचालय आदि बुनियादी सुविधाओं की कमी थी। कैग की रिपोर्ट की पुष्टि करती हुई लोक लेखा समिति ने भी अपनी पड़ताल में कई स्टेशनों में पेयजल, पंखे, बैठने के सुविधाजनक स्थान आदि पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न होने की बात कही है। समिति ने रेलवे अधिकारियों से जवाब मांगा है। यूं तो देश के कई रेलवे स्टेशनों को सजाने-संवारने का काम जरूर हुआ है, लेकिन कई स्थानों पर निर्धारित समय पूरा होने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है। जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्या देश में कोई ऐसा नियामक तंत्र नहीं जो निर्माण कार्य करवाने वाली कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई कर सके? आधे-अधूरे निर्माण कार्य की गफलत में दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

यूं तो भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है। लेकिन सुविधाओं के नाम पर हम कहां टिकते हैं? पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में यात्री ट्रेन के रुकने पर उतरकर स्टेशन पर भटकते नजर आते हैं। दुकानदार भी बोटलबंद पानी बेचने के लिये पेयजल व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करते देखे जाते हैं। किसी ट्रेन के जनरल डिब्बे में भेड़-बकरियों की तरह भरे यात्री कैसे सफर पूरा करते होंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। ट्रेन के भीतर शौचालयों की बुरी स्थिति देखकर यात्री मन मारकर उनका प्रयोग करते हैं। निश्चय ही रेलवे की निगरानी व्यवस्था खासी लचर है। ऐसा लगता है कि किसी की जवाबदेही ही तय नहीं हुई। वहीं बड़ी संख्या में यात्री भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करते। यहां-वहां बिखरा कूड़ा इसकी गवाही देता है। हमारे समाज में उस स्वच्छता चेतना का विकास नहीं हो पाया है, जो आजादी के आठवें दशक में हो जानी चाहिए थी। आखिर हम कब एक जिम्मेदार नागरिक की तरह रेलवे स्टेशनों व रेल के डिब्बों के भीतर साफ-सफाई रखना अपना कर्तव्य मानेंगे। लेकिन इसके बावजूद रेलवे को एक ऐसा जवाबदेह तंत्र विकसित करना होगा जो यात्रियों को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करा सके। दरअसल, रेल मंत्रालय हासिल करने और अपने चुनावी क्षेत्र के लोगों को रेलवे में भर्ती करने को लेकर दशकों तक जो राजनीति चलती रही है, उसने भी किसी हद तक रेलवे व्यवस्था की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। बहरहाल, अब यह तसवीर बदलनी चाहिए।

चिंतन-मनन

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गईं या बढ़ती गईं सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्फाटवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, क्रौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं। इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्पोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारों कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



सौरभ वार्ष्णेय

भारत में डेंगू लंबे समय से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू के मामले सामने आते हैं और कई लोगों की जान भी चली जाती है। बदलते मौसम, शहरीकरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों के कारण डेंगू का दायरा लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं इसका आतंक बड़े बड़े शहरों में अधिक है, ऐसे समय में डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में उपलब्ध होने की खबर निश्चित रूप से उम्मीद जगाती है। यदि सब कुछ तय प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ता है तो देश में पहली डेंगू वैक्सीन के रूप में टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स की क्यूडेंगा आने वाले वर्षों में लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती है। जापानी कंपनी टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स और हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुआ समझौता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते के तहत डॉ. रेड्डीज भारत के निजी बाजार में टेकेडा की क्यूडेंगा वैक्सीन के प्रमोशन और वितरण की जिम्मेदारी निभाएगी। कंपनियों के अनुसार, वैक्सीन को 2027 की पहली छमाही में भारत में लॉन्च किए जाने की संभावना



मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि जब भगवान की लाठी पड़ती है तो आवाज तक नहीं आती। कुछ ऐसा ही नोएडा के चर्चित निठारी कांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली के मामले में देखने को मिल रहा है। 2006 में निठारी कांड देश के अपराधिक मामलों में सबसे अधिक क्रूरता पाशविकता भरी दर्जनों गुमशुदा बच्चों और किशोरों के अपहरण और नृशंस हत्या से जुड़ा सीरियल किलिंग का मामला था जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। बच्चों के रहस्यमय ढंग से गायब होने, उनके साथ हुई हैवानियत और फिर नाले से मिले मासूम बच्चों के अंगों और कंकालों की तस्वीरों ने हर संवेदनशील मन को कपकंपा दिया था। अब 18 सितंबर 26 को इस मामले के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली की हरिद्वार में हुई सदिग्ध परिस्थिति में मौत ने उस खौफनाक सीरियल किलिंग कांड के अंतिम पन्ने पर एक ऐसा पूर्णविराम लगा दिया है, जो बता रहा है कि सकारी अदालतों से इतर भी कोई अदालत है जो देर सवेर इंसाफ करती है यह बताता है कि गरीब मजलूम असमर्थ और धन सत्ता की ताकत से रीते लोगों की आहां में भी एक ऐसी ताकत होती है जिसे खुद सबसे बड़ी भगवान या सर्वशक्तिमान की अदालत सुनती है और अपने ढंग से न्याय करती है।

आपको बता दें कि 18 सितंबर 2026 को भारत के सबसे चर्चित निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली का शव हिरद्वार में उसके चाय के खोखे में लटका हुआ मिला, जिसके बाद पुलिस ने शुरूआती तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना है। दो दशक तक चले इस बेहद खौफनाक और जटिल कानूनी मामले का अंत इस तरह एक रहस्यमयी मोड़ पर आकर हुआ है।सुरेंद्र कोली के अंतिम अंजाम और

देखा जाये तो जयशंकर की यात्रा का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भारत-अमेरिका संबंध इस समय कई कठिन सवालों से गुजर रहे हैं। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाने की व्यवस्था ने नई दिल्ली की ऊर्जा सुरक्षा और वांछितदन के साथ व्यापारिक संबंधों के बीच तनाव पैदा किया है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी कानून राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने की शक्ति देता है। लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता अपने लगभग एक अरब चालीस करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है और वह

विचार मंथन

भारत में डेंगू वैक्सीन की दस्तक: बीमारी के खिलाफ नई उम्मीद

है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक स्थानीय नियामकीय और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को पूरा करना अभी बाकी है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में प्रवेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक इस बीमारी से बचाव का मुख्य आधार मच्छरों की रोकथाम, साफ-सफाई और संक्रमित व्यक्त की समय पर चिकित्सकीय देखभाल ही रहा है। डेंगू के लिए कोई ऐसी व्यापक रूप से उपलब्ध दवा नहीं है जो संक्रमण को सीधे खत्म कर सके। ऐसे में रोकथाम के लिए वैक्सीन की उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में एक नया विकल्प जोड़ सकती है। हालांकि, किसी भी नई वैक्सीन को लेकर उत्साह के साथ-साथ कुछ बुनियादी सवालों पर गंभीरता से विचार करना भी जरूरी है। सबसे पहला सवाल इसकी कीमत का है। फिलहाल क्यूडेंगा की भारत में कीमत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। टेकेडा के इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के प्रमुख महेंद्र नायक के अनुसार, भारत में मार्केटिंग ऑथराइजेशन की मंजूरी मिलने के बाद अभी स्थानीय प्रक्रियाओं को पूरा करना प्राथमिकता है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने से पहले वैक्सीन की कीमत का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। कीमत का सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डेंगू केवल महानगरों या संपन्न वर्ग की समस्या नहीं है। इसका प्रभाव छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देता है। यदि वैक्सीन निजी बाजार में आती है और इसकी कीमत आम परिवारों की पहुंच से बाहर रहती है, तो इसका लाभ सीमित आबादी तक ही सिमट सकता है। इसलिए वैक्सीन की उपलब्धता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी सामर्थ्य भी है। यहां सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनियों ने संकेत दिया है कि क्यूडेंगा को भारत के

सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करना एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। निजी बाजार में वैक्सीन की उपलब्धता शुरूआती चरण हो सकती है, लेकिन व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव तभी संभव होगा जब जरूरत और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर इसे सरकारी टीकाकरण व्यवस्था में शामिल करने पर विचार किया जाए। किसी वैक्सीन को सार्वजनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का निर्णय केवल उसकी उपलब्धता के आधार पर नहीं होता। इसके लिए बीमारी का बोझ, वैक्सीन की प्रभावशीलता, सुरक्षा, अलग-अलग आयु समूहों में उसका प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर संभावित प्रभाव जैसे अनेक पहलुओं का मूल्यांकन आवश्यक होता है। भारत जैसे विशाल और विविध आबादी वाले देश में यह प्रक्रिया और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्यूडेंगा की भारत में उपलब्धता का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलु जागरूकता से जुड़ा है। डेंगू को लेकर समाज में अभी भी कई भ्रांतियां मौजूद हैं। कई बार लोग बुखार को सामान्य वायरल संक्रमण समझकर इलाज में देरी करते हैं। वहीं कुछ लोग डेंगू की रोकथाम को केवल मच्छर भगाने तक सीमित मानते हैं। वास्तव में डेंगू नियंत्रण के लिए व्यक्तिगत सावधानी, मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता, समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह-संभी की जरूरत होती है। वैक्सीन के आने के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि लोग इसे डेंगू से बचाव की एक अतिरिक्त रणनीति के रूप में समझें, न कि अन्य सावधानियों के विकल्प के रूप में।

डॉ. रेड्डीज और टेकेडा के बीच सहयोग का उद्देश्य केवल वैक्सीन का वितरण नहीं है। कंपनियों के अनुसार, इसके तहत डेंगू के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ जुड़ाव को भी महत्व

भारतीय न्यायिक प्रक्रिया पर बदनुमा दाग है निठारी कांड

इस पूरे दिसंबर 2006 में नोएडा के निठारी गांव में हुए इस वीभत्स हत्याकांड के बाद सुरेंद्र कोली को कई मामलों में निचली अदालतों द्वारा फांसी की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, जांच में गंभीर खामियों और सबूतों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने के बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट और आखिरकार नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम लॉबित मामले में भी उसे बरी करने का आदेश दिया। आपको बता दें 2003 में नोएडा के निठारी गांव के लोगों ने इलाके से महिलाओं और बच्चों के अचानक लापता होने की शिकायतें करनी शुरू कीं। हालांकि, नोएडा पुलिस ने इनमें से कई मामलों में शिकायत तक दर्ज नहीं की। जिन मामलों में शिकायत दर्ज हुई, उनमें भी ज्यादा प्रगति नहीं हुई।मई 2006 में इस मामले में बड़ा मोड़ आया। एक पिता अपनी लापता बेटी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि लापता होने वाले दिन उसकी बेटी नोएडा के सेक्टर-31 में निठारी के पास रहने वाले मोनिरंज सिंह पंडेर की कोठी गई थी। जून तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके बाद पिता ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के सरकारी आवास के बाहर हंगामा किया, तब जाकर मामला दर्ज हुआ।लापता युवती के फोन को ट्रैस करने पर पुलिस सुरेंद्र कोली तक पहुंची। उस समय कोली पंडेर के घर पर नौकर के रूप में काम करता था। कोली को गिरफ्तार किया गया, लेकिन जल्द ही जमानत पर छोड़ दिया गया। दिसंबर 2006 में पंडेर के घर के पीछे एक नाले में प्लास्टिक की थैलियों में मानव कंकालों के अवशेष और लापता लोगों का सामान मिला। इसके बाद पुलिस ने 29 दिसंबर को कई महिलाओं और बच्चों के अपहरण और हत्या के आरोप में कोली और पंडेर को गिरफ्तार कर लिया।

मामले ने अब राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी थीं। साथ ही निठारी मामले में नोएडा पुलिस की पहले की लापरवाही और जांच में नाकामी पर भी सवाल उठ रहे थे। इसके बाद 10 जनवरी 2007 को10 जनवरी 2007 को जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई। सीबीआई की फॉरेंसिक टीम ने पंडेर के घर की दोबारा तलाशी ली और मानव कंकालों के अवशेष तथा गंभीर अपराधों से जुड़े सबूत बरामद किए।सीबीआई ने 1 मार्च को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी

में कोली का कबूलनामा दर्ज किया। कोली ने हत्या की घटनाओं के बारे में बहुत विस्तार से बताया। उसने कहा कि वह पीड़ितों को बहला-फुसलाकर कोठी के अंदर लाता था, उनका गला घोटता था और फिर उनके शरीर के टुकड़े कर उन्हें फकाकर खाता था। नोएडा पुलिस ने 19 अलग-अलग लड़कियों से जुड़े अपराधों के मामले में पंडेर और कोली के खिलाफ 19 प्राथमिकियां दर्ज की थीं। इनमें से 16 मामलों में सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किए। 2007 में इनमें से एक मामले में दाखिल आरोपपत्र में सीबीआई ने दावा किया था कि कोली में मृत शरीरों के प्रति यौन आकर्षण और इंसानी मांस खाने जैसी प्रवृत्तियां थीं।एक विशेष सीबीआई अदालत ने 13 फरवरी 2009 को एक 14 साल की लड़की से बलात्कार और हत्या के मामले में पहली बार कोली और पंडेर दोनों को दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई। अपील पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पंडेर को बरी कर दिया, लेकिन कोली की मौत की सजा को बरकरार रखा।इसके बाद कोली ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में उसकी अपील और 2014 में पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। लेकिन जनवरी 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दया याचिका पर फैसला लेने में हुई अत्यधिक देरी को आधार बनाते हुए कोली की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया।अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी, प्रक्रियागत खामियों और प्रताड़ना के आरोपों को देखते हुए कोली को 12 मामलों में और पंडेर को 2 मामलों में बरी कर दिया। पंडेर अक्टूबर 2023 में जेल से बाहर आ गया, जबकि कोली की रिहाई नवंबर 2025 में हुई। इस स्थिति में एक कानूनी विरोधाभास पैदा हो गया था। कोली 12 मामलों में बरी हो चुका था, लेकिन लगभग उन्हीं सबूतों के आधार पर एक मामले में अब भी दोषी था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्याय का बड़ा विरोधाभास माना और अपनी क्यूरेटिव शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि समान सबूतों पर दो परस्पर विरोधी फैसले एक साथ नहीं रह सकते हैं। शीर्ष अदालत ने माना कि यह प्रक्रियागत और संरचनात्मक खामियों का मामला था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2011 के फैसले को वापस लेते हुए कोली को अंतिम मामले में भी सभी आरोपों से बरी कर तुरंत रिहा करने का आदेश दिया था।

इस बार भी मोदी नहीं जाएंगे संयुक्त राष्ट्र महासभा, जयशंकर ही संभालेंगे मोर्चा, क्या ट्रंप से आमना-सामना नहीं चाहते पीएम?



अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा की आपूर्ति जारी रखेगा। वहीं से जयशंकर की न्यूयॉर्क यात्रा का असली सामरिक महत्व सामने आता है। भारत को एक साथ रूस के साथ अपने ऊर्जा और सामरिक संबंधों, अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा साझेदारी तथा ग्लोबल साउथ की चिंताओं को साधना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा इस संतुलन को साधने के लिए सबसे बड़ा कूटनीतिक मंच उपलब्ध कराती है। जयशंकर की दर्जनों मुलाकातों में ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, विकास और ग्लोबल साउथ के मुद्दे स्वाभाविक रूप से प्रमुख रहेंगे।

इसके अलावा, भारत के लिए इस महासभा का एक अहम उद्देश्य 2028 से शुरू होने वाले दो वर्षीय कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता हासिल करने

के समर्थन में विभिन्न देशों को साथ लाना भी है। इसके लिए जयशंकर अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों के सामने भारत का छह यूएनवी घोषणापत्र रखेंगे और सुरक्षा परिषद में भारत की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करेंगे। साथ ही, ग्लोबल साउथ के देशों के विकास में भारत की भूमिका, आर्थिक एवं मानवीय सहायता तथा संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं के माध्यम से चलाए जा रहे कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। पिछले वर्ष महासभा के दौरान जयशंकर ने 47 द्विपक्षीय और 10 बहुपक्षीय बैठकें की थीं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार भी भारत की कूटनीतिक गतिविधियां कितनी व्यापक रहने वाली हैं।

उधर, कूटनीतिक हलकों में संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरमौजूदगी को लेकर

दिखा जाएगा। यह पहल इसलिए उपयोगी हो सकती है क्योंकि वैक्सीन से जुड़े निर्णय में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। योग्य लोगों को वैक्सीन की जरूरत, संभावित लाभ और सीमाओं के बारे में सही जानकारी निश्चितसकीय परामर्श के माध्यम से ही मिलनी चाहिए। भारत में पहली डेंगू वैक्सीन के आने की संभावित खबर को इसलिए एक शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए, अंतिम समाधान के रूप में नहीं। डेंगू की चुनौती केवल वैक्सीन से खत्म नहीं होगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना, जलभराव रोकना, साफ-सफाई बनाए रखना, समय पर बीमारी की पहचान करना और अस्पतालों में उचित उपचार की व्यवस्था करना भी उतना ही आवश्यक रहेगा। सबसे बड़ी उम्मीद यह है कि वैक्सीन डेंगू से निपटने की मौजूदा रणनीति को मजबूत कर सकती है। लेकिन इसके साथ यह सावधानी भी जरूरी है कि वैज्ञानिक प्रमाण, नियामकीय मानक और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतें व्यावसायिक हितों से ऊपर रहें। कीमत, उपलब्धता और लक्षित आबादी जैसे मुद्दों पर पारदर्शिता भी महत्वपूर्ण होगी। भारत में डेंगू का बोझ देखते हुए क्यूडेंगा की संभावित लॉन्चिंग निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2027 की पहली छमाही में इसके संभावित लॉन्च से पहले अभी कई औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होनी हैं। इसलिए फिलहाल इसे डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक संभावित नए हथियार के रूप में देखना अधिक उचित होगा। आखिरकार, किसी वैक्सीन की सम्प्रलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि वह बाजार में उपलब्ध हो गई है। असली कसौटी यह होगी कि वह कितने लोगों तक पहुंचती है, कितनी सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, उसकी कीमत कितनी वहनीय होती है और क्या वह देश की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बन पाती है।

निठारी कांड के पीड़ित परिवारों ने जिस तरह सुरेंद्र कोली की मौत पर कहा है कि वह भारतीय न्यायालय से बरी हुआ पर भगवान के घर देर है अंधेरे नहीं और भगवान से बड़ा कोई न्यायाधीश नहीं पीड़ित माता-पिता के वे शब्द केवल एक आरोपी की मौत पर संतोष व्यक्त करना भर नहीं हैं, बल्कि यह उस हताशा और वेदना की भी अभिव्यक्ति है जो वे बरसों से सीने में दबाए बैठे थे।

जरा विचार कीजिए उन उन्नीस बच्चों के माता पिता परिवारों की स्थिति पर जिनके बच्चों को टाफी चाकलेट रोजगार और टिप देने का लालच देकर कोठी के भीतर बुलाया गया और इसके बाद वह कभी जीवित बाहर नहीं आ सके। इस कोठी के पिछवाड़े के खुले नाले से दर्जनों बच्चों के कंकाल खोपड़ी बरामद किए गए।

स्वाल उठता है कि बाहर मामले में फांसी की सलीब तक पहुंचने के बाबजूद आधी रात के 1:35पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर फांसी पर रोक लगा दी गई थी और फिर हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने सुरेंद्र कोली के इकबाली बनाए और सबूतों को पर्याप्त नहीं मानते हुए दोनों आरोपियों को बरी कर दिया। इस तरह सबसे वीभत्स और दरिंदगी भरा सीरियल हत्याकांड भारतीय कानून और न्याय व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग बन कर रह गया सवाल यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट ने इतना वीभत्स कांड की दोबारा जांच करने की भी सिफारिश नहीं की। 19 साल तक अदालत की चौपट पर सैकड़ों बरा गवाही और सुनवाई के लिए चक्कर काटने वाले मजलूम गरीब परिवार उंगे से रह गए और दोनों आरोपियों को जेल से रिहा कर दिया गया।

यह मामला भारतीय कानून व्यवस्था की अदालत की जटिल प्रक्रिया का एक स्याह नजारा है जांच एजेंसियों की लापरवाही, साक्ष्यों के संकलन में हुई चूक और अभियोजन की कमियां इतने बड़े और जघन्य अपराध के मामलों की भी कमजोर कर सकती हैं। निठारी जैसे बर्बर मामलों के आरोपी कानून के शिर्कंजे से बाहर आ जाते हैं, तो पीड़ित परिवारों का न्यायपालिका से विश्वास उठना स्वाभाविक है।अब सुरेंद्र कोली की कथित आत्महत्या बता रही है कि कुदरत का भी एक कानून है जिससे बचना असंभव है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सवाल उठ रहा है। उल्लेखनीय है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र को चार बार यानि 2014, 2019, 2020 और 2021 में संबोधित किया। 2020 में महामारी के कारण उनका संबोधन पहले से रिकॉर्ड वीडियो के माध्यम से हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल को देखें तो स्थिति और भी स्पष्ट है। 2024 में मोदी न्यूयॉर्क गए और भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित किया, लेकिन महासभा की सामान्य बहस में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया। 2025 में भी सामान्य बहस में भारत का प्रतिनिधित्व जयशंकर ने किया और अब 2026 में भी भारत की कमान विदेश मंत्री के हाथ में है। इस तरह तीसरे कार्यकाल में अब तक मोदी ने महासभा की सामान्य उच्चस्तरीय बहस को अब तक संबोधित नहीं किया है। सवाल उठ रहा है कि क्या मोदी अमेरिका इसलिए नहीं जा रहे ताकि ट्रंप से मुलाकात से बच सकें? देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव जरूर है और रूसी तेल तथा अमेरिकी शुल्क का विवाद गंभीर है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जून 2026 में फ्रांस में हुई मुलाकात में दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग अपने बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। इसलिए केवल संयुक्त राष्ट्र महासभा में मोदी की गैरमौजूदगी को ट्रंप से मुलाकात से बचने की रणनीति के रूप में देखा जाना गलत होगा। बहरहाल, न्यूयॉर्क में जयशंकर का संबोधन केवल संयुक्त राष्ट्र में भारत का भाषण नहीं होगा। यह संदेश देने का अवसर होगा कि भारत दबावों के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक स्वायत्तता, ग्लोबल साउथ की अवाज और सुरक्षा परिपद में बड़ी भूमिका, इन चारों लक्ष्यों को एक साथ आगे बढ़ाना चाहता है। महासभा के मंच से भारत की कूटनीति की धार इसी संतुलन और हढ़ता से दिखाई देगी।

सीओ ट्रैफिक ने व्यापारियों के साथ की बैठक, सुरक्षा और अतिक्रमण पर दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार ने रविवार को पुलिस कार्यालय सभागार में व्यापारी सुरक्षा फोरम के पदाधिकारियों के साथ गोष्ठी की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था और अवैध अतिक्रमण को लेकर चर्चा की गई। सीओ ने व्यापारियों की समस्याएं सुनकर संबंधित को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए और पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन दिया। उन्होंने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत सभी प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था, मार्केट में सुरक्षा गार्ड रखने और कैश परिवहन से पूर्व पुलिस को सूचित



करने की अपील की। यातायात सुचारु रखने और जाम से निजात के लिए सड़क पर अतिक्रमण न कर प्रतिष्ठान के अंदर ही व्यापार करने

के निर्देश दिए गए। बैठक में व्यापारियों को साइबर अपराध व उगी से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया।

हसनपुर कोतवाल लाइन हाजिर, एसपी ने की कार्रवाई

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना हसनपुर क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश न लगा पाने और कानून-व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेज दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में लगातार बढ़ रही अपराधिक घटनाओं के बाद यह कार्रवाई जनहित में की गई है। पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है, सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा व तत्परता से निर्वहन करें।

पालिका अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने संभव दिवस में की जनसुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा कार्यालय में अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में संभव दिवस जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण कराया गया व अधिनस्थों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए पालिका अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा बताया गया की नगर पालिका ए. के. शर्मा जी के आदेश अनुसार प्रदेश



की समस्त नगरीय निकायों में सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को संभव दिवस जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है, जिसमें निकायों द्वारा प्रदत्त विभिन्न

नगरीय सेवाओं से संबंधित शिकायत व मांग की सुनवाई कर नियमतः उनका निस्तारण कराया जाता है। शासन के निर्देश अनुसार आज

सोमवार को कार्यालय नगर पालिका परिषद अमरोहा में संभव दिवस जनसुनवाई की गयी जिसमें, राशन कार्ड सत्यापन, पाइप लाइन लीकेज, संपत्ति का नामांतरण, मार्ग प्रकाश व सफाई से संबंधित कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से 9 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया तथा शेष 3 शिकायतों की जाँच कर कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों / कर्मचारियों को दिए गए।

भाकियू (टिकैट) गुट ने धान क्रय केंद्र चालू करने व पंचायत में अधिकारियों की उपस्थिति को लेकर एसडीएम धनौरा को सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैट गुट के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम धनौरा शैलेश कुमार दुबे को आगामी 25 सितंबर को होने वाली पंचायत में अधिकारियों की उपस्थिति एवं धान क्रय केंद्र चालू करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। किसानों द्वारा इस ज्ञापन को संगठन के तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह के नेतृत्व में सौंपा गया। इस ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने क्षेत्र के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया और आगामी बैठकों और सत्र से जुड़ी प्रमुख मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। बता दें कि इस दौरान भाकियू द्वितीय की उपस्थिति जरूरी की जाए, ताकि बिजली से जुड़ी समस्याओं का हल निकल सके। इसके अलावा,



धनौरा ब्लॉक परिसर में होगी। इस पंचायत में किसानों की स्थानीय और गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। ज्ञापन में मांग की गई कि पंचायत में अधिशासी अभियंता (एक्सएन) अमरोहा डिवीजन द्वितीय की उपस्थिति जरूरी की जाए, ताकि बिजली से जुड़ी समस्याओं का हल निकल सके। इसके अलावा,

बिजली उपकेंद्र ढींगरा और चुचैला खुर्द पर आने वाली नई लाइनों का तुरंत सर्वे कराने और इस संबंध में एक्सएन गजरीला को भी बैठक में बुलाने की मांग की गई। किसानों ने आगामी फसलों को लेकर मांग रखी कि 1 अक्टूबर से धनौरा तहसील क्षेत्र के सभी धान क्रय केंद्र पूरी तरह से और ठीक से चालू किए जाएं।

साथ ही, आगामी सत्र में गन्ने की बुवाई के लिए अच्छी किस्मों के मागदर्शन हेतु मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अमरोहा को भी पंचायत में बुलाने का अनुरोध किया गया। तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह ने कहा कि किसानों को अपने अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए संगठन की बैठकों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। ज्ञापन सौंपते समय मीडिया प्रभारी फूलवास सिंह, गुरमीत सिंह चंचू, लवी संधू, सुजल सहोता, आदित्य, संदीप संधू, तुषार दहिया, सतपाल सिंह, गुरमीत, सुरज सिंह, ओमपाल सिंह, देवेन्द्र सिंह, जितेंद्र सिंह, बच्चन सिंह, काले सिंह, महिपाल सिंह और रिंकु सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत अनुपस्थित अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 22 सितंबर को

अमरोहा (सब का सपना):- उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, अमरोहा अनूप कुमार श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए दिनांक 14 एवं 15 सितंबर 2026 को दर्जी, हलवाई व बढ़ई तथा दिनांक 16 सितंबर 2026 को नाई, लोहार, राजमिस्त्री, मोची, कुम्हार एवं धोबी ट्रेड के अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कार्यालय प्रधानाचार्य,



राजकीय आईटीआई केशोपुर, अमरोहा में सम्पन्न हुए थे। उन्होंने बताया कि उक्त तिथियों को

अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए अनुपस्थित अभ्यर्थियों का साक्षात्कार दिनांक 22

सितंबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से कार्यालय प्रधानाचार्य, राजकीय आईटीआई केशोपुर, अमरोहा में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त साक्षात्कार में दर्जी, हलवाई, बढ़ई, नाई, लोहार, राजमिस्त्री, मोची, कुम्हार एवं धोबी ट्रेड के अनुपस्थित अभ्यर्थी दिनांक 22 सितंबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे कार्यालय प्रधानाचार्य, राजकीय आईटीआई केशोपुर, अमरोहा में अपने सम्पूर्ण दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का कष्ट करें।

बछरायूं में आम के हरे-भरे पेड़ों के कटान की सूचना पर दौड़े एसडीएम, दौड़कर पकड़ी लकड़ी से लदी ट्रैक्टर ट्राली

लकड़ियों से लदी ट्रैक्टर ट्राली को एसडीएम ने किया जप्त, जांच के निर्देश दिए



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के थाना बछरायूं क्षेत्र में गजरोला-धनौरा रोड पर स्थित एक फैक्ट्री के पीछे लकड़ी माफियाओं द्वारा एक हरे भरे आम के बाग को अवैध रूप से काटने का मामला सामने आया है जिसकी सूचना एसडीएम धनौरा शैलेश कुमार दुबे को लगी तो वह अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और लड़कियों से लदी ट्रैक्टर ट्राली भरकर ले जाते लकड़ी माफियाओं को दौड़कर पकड़ लिया। इस पर कार्यवाही करते हुए एसडीएम ने लड़कियों से लदी ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर लिया है और मामले में जांच के निर्देश दिए हैं। बता दें कि बछरायूं में गजरोला रोड पर एक



फैक्ट्री के पीछे लकड़ी माफिया हरे-भरे आम के पेड़ काट रहे थे। इसके लिए उन्होंने एक चालाकी भरा तरीका अपनाया था। पूरे बाग के चारों तरफ ऊंची टीन की चादरें लगाकर बाउंड्री बना दी गई थी। इसका मकसद था कि बाहर से किसी को अंदर चल रहे अवैध कटान की खबर न लगे। टीन के इस पंदे की आड़ में रोजाना कटर मशीनों से फलदार आम के हरे-भरे पेड़ काटे जा रहे थे। इस चालाकी भरी घेराबंदी के बावजूद तहसील प्रशासन को गुप्त सूचना मिल गई। उन्हें बताया गया कि टीन की बाउंड्री के पीछे अवैध रूप से हरे आम के पेड़ काटे जा रहे हैं। सूचना की पुष्टि होते ही उपनिर्वाहकारी (एसडीएम) शैलेश

कुमार दुबे ने तुरंत अपनी टीम के साथ मौके पर छापा मारा। अचानक हुई इस कार्रवाई से वहां हड़कंप मच गया। छापेमारी के दौरान टीन शेड के अंदर का नजारा देखकर प्रशासनिक अधिकारी हैरान रह गए। वहां कई हरे-भरे आम के पेड़ कटे पड़े थे और कटर मशीनें चल रही थीं। अधिकारियों को देखते ही मौके पर भगदड़ मच गई। इस दौरान लकड़ी माफिया के लोग जेसीबी मशीन और कटी लकड़ियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को भगाने की कोशिश करने लगे। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने खुद दौड़ लगाई। उन्होंने भागती हुई जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही

पकड़ लिया। प्रशासनिक अधिकारी का यह तरीका देखकर अवैध धंधा चला रहे माफिया और फैक्ट्री कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने मौके पर मिली कटी हुई पेड़ों की लकड़ी और वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। उन्होंने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने साफ कहा कि टीन लगाकर अवैध कटान की यह साजिश बहुत गंभीर है। वन विभाग और स्थानीय पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि वे मामले की जांच करें। दोषियों और फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

विश्व शांति दिवस पर गायत्री यज्ञ में दी आहुतियां, विश्व शांति की कामना

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व शांति दिवस के अवसर पर क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में रूपचंद्र चौहान के आवास पर राष्ट्र सेवा संगठन के कार्यकर्ताओं ने गायत्री यज्ञ कर विश्व शांति की कामना की। सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः की भावना के साथ आहुतियां दी गईं और संकल्प लिया गया कि ऐसा विश्व बने जहां युद्ध नहीं संवाद, भय नहीं विश्वास और वैमनस्य नहीं बल्कि मानवता भविष्य की भाषा बने। इस अवसर पर संगठन संयोजक कृष्ण कुमार



शर्मा ने कहा कि कुछ देशों की विस्तारवादी और स्वार्थपरता पूर्ण नीतियों से विश्व शांति को खतरा है।

इसे भारत के शाश्वत संदेश 'वसुधैव कुटुम्बकम्', सह-अस्तित्व और करुणा से ही बदला जा सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत में जातिवाद, सांप्रदायिकता और कानूनों के दुरुपयोग से शांति व्यवस्था को क्षति पहुंच रही है। सभी को अधिकारों से पहले कर्तव्यों को महत्व देते हुए समाज व राष्ट्र हित में कार्य करना चाहिए। इस दौरान प्रांत गन्ना प्रमुख भारतीय किसान संघ महिपाल सिंह, रूपचंद्र चौहान, मुकेश शर्मा, नरेंद्र चौहान, महेश सिंह, भाग्यवती, थल प्रकाश, सुधांशु राजपूत, कैलाश सिंह एडवोकेट, साहब सिंह आदि मौजूद रहे।

आधी रात धरना स्थल पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष, डीआईओएस पर मिलीभगत का आरोप

अमरोहा (सब का सपना) - आदर्श इंटर कॉलेज कुटी दौलतपुर में भ्रष्टाचार के विरोध में चल रहे आमरण अनशन के बीच संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहलवान मुनेंद्र गुर्जर देर रात अचानक धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने अनशन पर बैठे ब्रह्मचारी अरविंद महाराज, श्याम सिंह, मलखान सिंह और ब्रह्मपाल सिंह का फूल-माला पहनाकर हौसला बढ़ाया। करीब तीन से चार घंटे धरना स्थल पर रुककर उन्होंने पूरे मामले की समीक्षा की। इस दौरान राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता संजीव राणा, रामपुर जिलाध्यक्ष बाबू अली,



जिलाध्यक्ष अमरोहा लोकेश बिछुड़ी, युवा मंडल अध्यक्ष सतपाल अंबावात सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप

लगाया कि जिला विद्यालय निरीक्षक शतानंद शर्मा ने पूर्व डीआईओएस डॉ. प्रवेश कुमार द्वारा 28 मार्च 2026 को गठित जांच समिति की

रिपोर्ट और जुलाई में जारी पत्रों को नजरअंदाज कर 31 अगस्त को दोषियों से मिलीभगत कर मनगढ़ंत निस्तारण कर दिया है।

इसी रात मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन तैयार कर जिलाधिकारी, मंडलायुक्त मुरादाबाद व संयुक्त शिक्षा निदेशक को प्रतिलिपि भेजी गई। उन्होंने चेतावनी दी कि 21 सितंबर को प्रशासन जापन लेने आए और कार्रवाई करें, अन्यथा अनशनकारियों को कुछ भी होने पर संगठन बड़े आंदोलन को बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की तैयारियों की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में 01 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ होने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को अभियान को प्रभावी एवं समन्वित तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए की 27 सितंबर तक संचारी रोग नियंत्रण हेतु माइक्रो प्लान बनाकर उपलब्ध करा दें। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए की गोशाला और बाड़ों के आसपास पानी जमा न हो इस बात को विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि "उपचार से बचाव हमेशा बेहतर होता है।" इसलिए सभी विभाग रोगों के उपचार से अधिक उनकी रोकथाम पर विशेष ध्यान दें तथा जनसामान्य को भी साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करें। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय संचारी रोगों की रोकथाम की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यदि इसी समय पूरी गंभीरता के साथ साफ-सफाई, जलभराव की



रोकथाम, लाबीसाइडल स्प्रे तथा अन्य निरोधात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित कर लिया जाए, तो आने वाले समय में संचारी रोगों के प्रसार एवं किसी भी बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को पूर्ण सतर्कता, आपसी समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अपने क्षेत्र के एमओआईसी से संपर्क कर फॉगिंग मशीन प्राप्त कर ग्रामीण क्षेत्र में फॉगिंग कराए। जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता के साथ-साथ साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम,

स्वच्छ पेयजल एवं मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने विभाग से संबंधित कार्ययोजना के अनुसार अभियान की गतिविधियों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। दस्तक अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीमों एवं आशा कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करेंगी। साथ ही बुखार एवं अन्य संभावित लक्षण वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें आवश्यक जांच एवं उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में साफ-

सफाई, नालियों की सफाई, जलभराव की रोकथाम तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। लोगों को स्वच्छता अपनाने, सुरक्षित पेयजल का सेवन करने, घरों के आसपास पानी जमा न होने देने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करने के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ पंचायती राज, नगर निकाय, शिक्षा, बाल विकास, पशुपालन, कृषि सहित सभी संबंधित विभागों का आपसी समन्वय आवश्यक है। अभियान के दौरान की जाने वाली गतिविधियों की नियमित निगरानी एवं प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रमाकांत सागर, समस्त उप जिलाधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत, खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग सुधारने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर करें अमल:- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ.0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजना, जीरो पावर्टी कार्यक्रम, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित रैंकिंग और फैमिली आईडी की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। पीएम सूर्य घर योजना में सभी विभागों की प्रगति जानते हुए निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं और निर्धारित लक्ष्यों को माह अंत तक पूर्ण करें। आमजन के बीच विभिन्न माध्यमों से योजना का प्रचार करते हुए लोगों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने जीरो पावर्टी में चर्यात परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, विद्युत संयोजन, श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की



प्रदर्शित रैंकिंग पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे खराब रैंकिंग के कारणों का गंभीरता से विश्लेषण कर तत्काल प्रभाव से आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय प्रदर्शन में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा आगामी समीक्षा से पूर्व प्रत्येक विभाग अपनी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित होने वाले समस्त आंकड़े

समयबद्ध, सत्य एवं त्रुटिरहित रूप से अपडेट किए जाएं। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर जनपद के कार्यों का मूल्यांकन मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के आधार पर किया जाता है, इसलिए सभी विभाग पूर्ण उत्तरदायित्व एवं गंभीरता के साथ कार्य करें। विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी की विभागवार प्रगति का अवलोकन करते हुए जिन विभागों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष

कार्य पूर्ण नहीं किया गया है, उन्हें शीघ्रता से शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार की फैमिली आईडी तैयार कर शासन की योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर सहित समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हादसे में घायल युवक को 108 एंबुलेंस ने समय पर अस्पताल पहुँचाकर बचाई जिंदगी

संभल (सब का सपना):- अरामी पुत्र चेतराम अपने घर से गुन्तौरझ नरोरा रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनको बाइक दुर्घटना हो गई। हादसे में अरामी के हाथ में गंभीर चोट आई खुन बहने लगा और हाथ फ्रैक्चर हो गया। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुँच गई। ईएमटी टीपक ने मरीज को सुरक्षित और सावधानी पूर्वक एंबुलेंस में शिफ्ट किया। इसके बाद उन्होंने



मरीज के घाव की ड्रेसिंग की और फ्रैक्चर वाले हाथ की स्प्लिंटिंग की।

प्राथमिक उपचार के दौरान ईआरसीपी डॉक्टर से फोन पर आवश्यक मेडिकल सपोर्ट लिया गया और डॉक्टर की सलाह के अनुसार मरीज को दर्द निवारक इंजेक्शन दिया गया। मरीज को आवश्यक प्राथमिक उपचार देने के बाद सुरक्षित अस्पताल में भर्ती कराया गया। 108 एंबुलेंस की तत्परता और ईएमटी की बेहतर देखभाल से मरीज को समय पर सही इलाज मिल सका।

हादसे में घायल युवक को 108 एंबुलेंस ने समय पर अस्पताल पहुँचाकर बचाई जिंदगी



संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशानुसार जनपद में आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार के गबन और कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। इस मामले में गुमथल आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्त्री मंजू देवी और पचाक केंद्र-2 की कार्यकर्त्री शांति देवी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है।



माल उपलब्ध मिला। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी चांदनी रानी द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब में मंजू देवी ने स्वीकार किया कि यह पोषाहार शांति देवी द्वारा कालाबाजारी के उद्देश्य से उनके केंद्र पर रखवाया गया था। साक्ष्यों के आधार पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट और जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अनुमति के

सिमस कॉलेज में छात्र-छात्राओं को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद में सोमवार को पुलिस अधीक्षक संभल के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात अजीत सिंह के निर्देशन में प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह और मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने सिमस कॉलेज चंदौसी में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाते हुए नियमों की जानकारी दी गई। प्रभारी यातायात ने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे देश का भविष्य हैं। जब तक उनकी उम्र 18 वर्ष पूरी न हो जाए और ड्राइविंग लाइसेंस न बन जाए, तब तक किसी भी वाहन का संचालन न करें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट



का प्रयोग करने और वाहन पर तीन सवारी न बैठाने की अपील की गई। वहीं, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने के लिए भी जागरूक किया गया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सड़क चिन्हों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सड़क चिन्ह मुख्य

रूप से तीन प्रकार के होते हैं, जिनमें आदेशात्मक, चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्ह शामिल हैं। सड़क पर वाहन चलाते समय इन चिन्हों का पालन करना आवश्यक है। इसके साथ ही तीनों प्रकार के ट्रैफिक सिग्नल के संकेतों के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान

विभिन्न प्रकार की सड़कों की पहचान के संबंध में भी विद्यार्थियों को बताया गया। उन्हें एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, शहर की मुख्य सड़क और ग्रामीण सड़क की पहचान किलोमीटर संकेतों एवं निर्धारित रंग संयोजन से करने की जानकारी दी गई। प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह ने कहा कि जीवन अनमोल है और सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। इसके लिए जनपद में लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाते रहेंगे।

सुगंध दशमी पर गुंजे धर्म और संयम के संदेश, श्रद्धालुओं ने अर्पित की धूप

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पर्वराज दशलक्षेण महापर्व के अंतर्गत सोमवार को श्री दिगंबर जैन मंदिर, बहजोई में उत्तम संयम धर्म की आराधना के साथ सुगंध दशमी पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में दिनभर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। प्रातःकाल श्रीजी के अभिषेक, शांतिधारा एवं महामंडल विधान के धार्मिक आयोजन संपन्न हुए। श्रीजी के अभिषेक एवं शांतिधारा के पुण्यार्जक सुनील कुमार जैन, अरिहंत जैन एवं अक्षत जैन रहे। वहीं महामंडल विधान में सौधर्म इंद्र के रूप में सुनील कुमार जैन एवं रजनी जैन ने विशेष सौभाग्य प्राप्त किया। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान श्रद्धालुओं ने विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ भगवान जिनेंद्र देव की आराधना की। दोपहर के सत्र में सुगंध दशमी के विशेष अवसर पर भगवान जिनेंद्र देव के समक्ष सुगंधित धूप अर्पित कर धूप खेवन एवं हवन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भगवान के चरणों में



धूप समर्पित की। धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप अष्टकर्मों के दहन का भाव रखते हुए हवन में आहुति देकर आत्मशुद्धि एवं धर्म आराधना की भावना व्यक्त की गई। इस दौरान मध्य प्रदेश के मंडावरा से पधारे विद्वान चंद्रकुमार जैन शास्त्री ने उत्तम संयम धर्म पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संयम आत्मकल्याण का आधार है। मन, वचन और काय को संयमित रखते हुए इंद्रियों के विषयों तथा कर्माओं पर नियंत्रण करना ही सच्चे अर्थों में संयम है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से जीवन में संयम, अनुशासन, अहिंसा और आत्मचिंतन को अपनाने का आह्वान किया। सायंकाल मंदिर परिसर में जैन धार्मिक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न आयु वर्गों के बच्चों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने जैन धर्म एवं संस्कृति से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए चित्र बनाए। चित्रों के माध्यम से प्रतिभागियों ने जैन संस्कारों, धार्मिक भावनाओं और

भगवान जिनेंद्र देव के प्रति अपनी श्रद्धा को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान जैन सभा के संरक्षक राजेंद्र जैन, अध्यक्ष सुनील कुमार जैन, उपाध्यक्ष संजय कुमार जैन, कोषाध्यक्ष मितेश जैन, महामंत्री सम्भव जैन, निरीक्षक मनोज कुमार जैन, प्रेरक जैन, विभोर जैन, चंद्रप्रकाश जैन, राहुल जैन, मोहित जैन एडवोकेट, अतिशय जैन, शुभम जैन, अरिहंत जैन, अग्रिम जैन, अलोक जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु मौजूद रहे।

संभल

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखेगा सोनपापड़ी का वैश्विक जलवा सात फर्मों को मिले स्टॉल

संभल (सब का सपना):- ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026' के चौथे संस्करण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल जिले के हुनर और जायके का डंका बजने का रहा है। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और स्थानीय दस्तकारी को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित इस पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महामंच पर संभल के पारंपरिक हस्तशिल्प और प्रसिद्ध व्यंजनों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इस आयोजन में जिले की सात प्रमुख औद्योगिक इकाइयों और दस्तकारों को अलग-अलग हॉल में स्टॉल आवंटित किए गए हैं। कुल 1.10 लाख वर्ग मीटर से अधिक के विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र में आयोजित होने वाले इस मेले में 2,400 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। ओडीओपी (एक जनपद-एक उत्पाद) और ओडीओसी (एक जनपद-एक व्यंजन) योजना के तहत संभल का विश्वविख्यात 'हॉर्न एवं बोन क्राफ्ट' और लजीज सोनपापड़ी अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के



सामने प्रस्तुत की जाएगी। ट्रेड शो के हॉल नंबर 9 (ओडीओपी पवेलियन) में संभल के प्रमुख दस्तकार मोहम्मद आरिफ (स्टॉल एच9-0116) और शाह आलम (स्टॉल एच9-02/72) सींग व हठ्ठी से बनी नायाब नक्काशी का प्रदर्शन करेंगे। इसी हॉल में अमेजिंग क्राफ्ट होम के विकास जैन को चार स्टॉल आवंटित किए गए हैं, जहां वे आकर्षक काष्ठ शिल्प (वुडन हैंडीक्राफ्ट्स) की नुमाइश करेंगे। एमएसएमई और एक्सपोर्ट पवेलियन में भी संभल के दस्तकारों का मजबूत दबदबा देखने को मिलेगा। हॉल नंबर 10 में जुबैर उमर हॉर्न-बोन के साथ रेजिन आर्ट और वुडन क्राफ्ट का अनूठा सम्मिश्रण पेश करेंगे। हॉल

नंबर 14 में हैंडीक्राफ्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले नीलकंठ ओवरसीज के कमल कौशल वाण्येय और शहादत हुसैन अपने हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। वहीं हॉल नंबर 11 में डेकोर वर्ल्ड एक्सपोर्ट मोहम्मद आकिब यूपी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के तहत जिले के एक्सपोर्ट क्वालिटी उत्पादों को वैश्विक खरीदारों के सामने रखेंगे। हस्तशिल्प के साथ-साथ इस बार संभल के लजीज स्वाद को भी अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने का रही है। एक जिला एक व्यंजन योजना के तहत हॉल नंबर 16 (खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र) में संभल के दक्ष स्वीट सेंटर के संचालक राजेंद्र कुमार को स्टॉल मिला है जहां संभल की

मशरूम उत्पादन बना किसानों और युवाओं के लिए आय और आत्मनिर्भरता का नया जरिया

संभल (सब का सपना):- जिले में किसानों की अतिरिक्त आय और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'लो-कॉस्ट मशरूम यूनिट' को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कम स्थान कम पानी और सीमित ऊर्जा की आवश्यकता के कारण यह तकनीक छोटे किसानों, ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए आर्थिक रूप से बेहद लाभदायक साबित हो रही है। लो-कॉस्ट मशरूम यूनिट को उपलब्ध स्थान और संसाधनों के आधार पर आसानी से तैयार किया जा सकता है। इसमें मशरूम उत्पादन के लिए सबस्ट्रेट बैग तैयार कर निर्धारित तापमान और नियंत्रित वातावरण में रखा जाता है।



वैज्ञानिक तरीके से सही देखभाल करने पर कम जगह में भी बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हासिल किया जा सकता है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा

करने के लिए कृषि आधारित स्वरोजगार गतिविधियों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इच्छुक किसानों को मशरूम उत्पादन की तकनीक यूनिट की स्थापना और उत्पादन

राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक में लंबित मामलों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभागार सम्मिल में डिप्टी कलेक्टर अभिमन्यु कुमार की अध्यक्षता में राजस्व कार्यों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जनपद की समस्त तहसीलों से आए हुए तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक कार्यालय कार्यक ने सहभागिता की। बैठक के दौरान जिले की विभिन्न तहसीलों में लंबित पड़े राजस्व मामलों की तहसीलवार और बिंदुवार गहन समीक्षा की गई। इस दौरान वरासत नामांतरण अंश निर्धारण संशोधन ई-खसरा सहित



जनसामान्य से जुड़े तमाम राजस्व कार्यों की वर्तमान प्रगति को जांचा गया। समीक्षा के बाद डिप्टी कलेक्टर अभिमन्यु कुमार ने सभी संबंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत देते

हुए कहा कि राजस्व संबंधी सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। डिप्टी कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व मामलों के निपटारे में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राजस्व अभिलेखों को पूरी तरह से अद्यतन और त्रुटिरहित रखने पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी राजस्व प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता और शुद्धता बरती जाए तथा आम जनता से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान किया जाए। बैठक के अंत में राजस्व कार्यों की प्रगति बनाए रखने के लिए नियमित रूप से समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए।

सपनों का भारत कार्यक्रम में युवाओं को दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बीएमबीएल जैन कॉलेज, बहजोई में सोमवार को सेवा समर्पण अभियान के अंतर्गत सपनों का भारत विषय पर प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विकास वाण्येय ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्र निर्माण, सेवा, समर्पण और युवा शक्ति की भूमिका के बारे में संवोधित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मुख्य वक्ता विकास वाण्येय ने कहा कि भारत का भविष्य आज के युवाओं के संकल्प, संस्कार और कर्मठता पर निर्भर है। युवाओं को अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं है, बल्कि जिम्मेदार और सकारित और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक का निर्माण करना भी है। उन्होंने कहा कि युवाओं में सेवा की भावना, अनुशासन, नवाचार और आत्मनिर्भरता का भाव विकसित



होगा तो भारत को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का सपना साकार किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने और अपनी ऊर्जा का उपयोग समाज एवं देश के हित में करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बहजोई महाविद्यालय के प्रबंधक नीरज वाण्येय ने भी उपस्थित अतिथियों एवं छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। वहीं बीएमबीएल जैन कॉलेज के निदेशक सम्भव जैन ने सपनों का भारत विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत को परम वैभव की ओर ले जाने का सपना तभी साकार होगा, जब प्रत्येक

व्यक्ति अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करे। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश की सबसे बड़ी शक्ति है। शिक्षा, संस्कार, सेवा और समर्पण के माध्यम से युवा राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आगे आने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य राजीव गुप्ता ने मुख्य वक्ता सहित सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना,

तबीयत बिगड़ने पर नाबालिग ने मां को बताई आपबीती, चचेरे भाई पर गंभीर आरोप

10 दिन से स्कूल नहीं जा रही थी बच्ची, मंडावली थाने में मां ने दो तहरीर

मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):- मंडावली थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद कथित यौन शोषण का मामला सामने आया है। बच्ची की मां ने थाने में तहरीर देकर अपने रिश्तेदार के नाबालिग बेटे पर वर्ष 2025 से बच्ची को परेशान करने और कथित रूप से उसका यौन शोषण करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायती पत्र के अनुसार, बच्ची की तबीयत खराब होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां अल्ट्रासाउंड कराया गया। इसके बाद बच्ची ने अपनी मां को कथित घटना के संबंध में जानकारी दी। आरोप है कि संबंधित युवक वर्ष 2025 से बच्ची को परेशान कर रहा था। मां का आरोप है कि पिछले करीब 10 दिनों से बच्ची को दोबारा परेशान किया जा रहा था, जिसके चलते वह डर के कारण स्कूल भी नहीं जा रही थी। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी बच्ची को रुपये देने का लालच देकर अपने साथ आने के लिए कहता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए बच्ची की मां ने मंडावली थाने में शिकायत देकर पूरे प्रकरण की जांच कराने तथा दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस स्तर से मामले की जांच की जा रही है।

बर्फ तोड़ने के सूप से महिला पर जानलेवा हमला, आरोपी बबली गिरफ्तार

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- साई धाम कॉलोनी में घर में घुसकर परिचित महिला पर बर्फ तोड़ने वाले सूप से हमला करने वाली आरोपी बबली चौहान को पुलिस ने दबोच लिया है। वारदात में इस्तेमाल सुआ भी बरामद कर लिया गया है। घटना 18 सितंबर की शाम की है। जाफ़तागंज निवासी और वर्तमान में दिल्ली के कृष्णा नगर में रह रही बबली चौहान, स्थानीय निवासी दिनेश कुमार के घर पहुंची थी। आरोप है कि शाम करीब 6 बजे उसने दिनेश की पत्नी लक्ष्मी पर अचानक सूप से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में लक्ष्मी की गर्दन और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। पीड़िता ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। चीख-पुकार सुनकर जमा हुए लोगों को देख आरोपी महिला धमकी देते हुए फरार हो गई। यह पूरी सनसनीखेज वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पीड़ित पति की तहरीर पर मामला दर्ज कर पुलिस तपतीश में जुटी थी। रविवार को सब-इंस्पेक्टर पुष्पेन्द्र राठी, कांस्टेबल प्रदीप कुमार और महिला कांस्टेबल अनीता की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बबली को घर दबोचा। पुलिस पृष्ठताछ के आधार पर घटना में प्रयुक्त आला-ए-कल्ल (सुआ) भी जब्त कर लिया गया है। खबर लिखे जाने तक पुलिस आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई कर रही थी।

खुशीद मंसूरी का 16 गांवों के लोगों ने किया भव्य स्वागत, जोगीरमपुरा में गर्ल्स इंटर कॉलेज का वादा

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- जोगीरमपुरा गांव में आयोजित आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के कार्यक्रम में नजीबाबाद विधानसभा से पार्टी के संभावित प्रत्याशी व साहनपुर चेयरमैन खुशीद मंसूरी का 16 गांवों के ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए खुशीद मंसूरी ने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और शोषित-पिछड़े वर्गों के अधिकारों की लड़ाई उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने वादा किया कि विधायक बनने पर जोगीरमपुरा क्षेत्र में बेटियों के लिए गर्ल्स इंटर कॉलेज का निर्माण कराया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान हाफिज हारून और संचालन उबैद नजीबाबादी ने किया। इस दौरान जहानाबाद, गढ़मलपुर, किशनपुर आंवला, पन्ना हीमपुर, इस्सीपुर, कनकपुर, रानीकोटा, भटौली, मौअज्जमपुर समेत 16 गांवों के ग्रामीण और प्रमुख वक्ता मौजूद रहे, जिन्होंने स्थानीय समस्याओं और सरकारी नीतियों पर अपने विचार रखे।

सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य किरतपुर एसएसआई पवन कुमार शर्मा का पैदल पलैंग मार्च

किरतपुर कस्बा इंचार्ज दीपक नागर बोले हम जागेंगे आप सो जाओ सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी

बिजनौर (सब का सपना):- किरतपुर क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा आमजन में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से किरतपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में किरतपुर क्षेत्र में पैदल गश्त जारी है। आपको बता दें कि किरतपुर थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा आमजन में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से कस्बा इंचार्ज दीपक नागर अपने अधीनस्थों के साथ पैदल गश्त कर किरतपुर क्षेत्र में शांति व्यवस्था और लॉ एंड ऑर्डर को मॉटेन करने के उद्देश्य से अभियान जारी है। किरतपुर एस एस आई पवन कुमार शर्मा के पैदल गश्त मार्च में खास बात यह है कि वह मार्ग पर पड़ने वाले तीराहे व चौराहे पर नुककड़ सभा के माध्यम से कानून के निर्देशों का पालन करने का संदेश भी देते हैं।इदना ही नहीं व्यापारियों व आते जाते राहगीरों से समस्या भी पूछते हैं। जिस कारण एस एस आई पवन कुमार शर्मा का पैदल पलैंग मार्च किरतपुर क्षेत्र में खूब सुर्खियां बटोर रहा है। पवन कुमार शर्मा का अपने अधीनस्थों के साथ पैदल गश्त मार्च जारी है।

नहर किनारे लावारिस हालत में मिली तीन वर्षीय बच्ची, पुलिस ने परिजनों से मिलाया

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना में तीन वर्षीय लावारिस हालत में रोती हुई मिली बच्ची को देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोबरा-32 पर तैनात हेड कांस्टेबल तत्काल मौके पर पहुंचे और बच्ची को अपने संरक्षण में लिया। पुलिसकर्मियों ने बच्ची को लावारिस हालत में देखकर स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोबरा-32 पर तैनात हेड कांस्टेबल सनी राज तोमर एवं अमित पवार तत्काल मौके पर पहुंचे और बच्ची को अपने संरक्षण में लिया। पुलिसकर्मियों ने बच्ची के परिजनों की जानकारी जुटाते हुए अथक प्रयास किए और कुछ ही समय में उसके परिजनों का पता लगा लिया। पुलिस के इस कार्य की प्रशंसा हो रही है।मुनीम चौक के पास नहर पर सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब करीब तीन वर्षीय बच्ची रोती हुई अकेली घूमती मिली। बच्ची को लावारिस

निमार्णाधीन सीसी रोड पर नाली निर्माण की मांग, नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद स्योहारा के मोहल्ला शेखान, वार्ड नंबर-4 में निमार्णाधीन सीसी रोड के दोनों ओर नालियों का निर्माण नहीं कराए जाने को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। इस संबंध में मोहल्ला निवासी सलीम अहमद पुत्र इतजार अहमद ने 17 सितंबर को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद स्योहारा को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर दोनों किनारों पर एल-टाइप नाली बनवाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार मुरादाबाद रोड स्थित हरिजन धर्मशाला से नसरिन कुरैशी पूर्व सभासद के मकान तक सीसी रोड का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। आरोप है कि सड़क के दोनों ओर नालियों का निर्माण नहीं कराया जा रहा है। नाली नहीं होने के कारण सड़क किनारे गोबर, कूड़ा-कचरा व गंदा पानी जमा होने की समस्या बनी हुई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से सफाई कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं सड़क के किनारे गंदगी जमा रहने से आवागमन प्रभावित होने के साथ सड़क की चौड़ाई भी कम हो रही है। शिकायतकर्ता ने नगर पालिका प्रशासन से निमार्णाधीन सड़क के दोनों ओर एल-टाइप नालियों का निर्माण कराकर जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। प्रार्थना पत्र पर वार्ड के कई लोगों के हस्ताक्षर भी बताए गए हैं।

महिला श्रद्धालुओं ने गणपति के भजनों से गणपति को रिझाने का किया प्रयास

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- श्री गणेश मित्र मंडल सराफा बाजार मीर की सराय स्थित गणपति पंडाल में महिला श्रद्धालुओं ने शाम पांच बजे से भजन कीर्तन कर गणपति बप्पा को रिझाने का प्रयास करते हुए अपने इष्ट भगवान का गुणगान किया। नगीना नगर गत 14 सितम्बर से हर गली मोहल्ले में गणपति बप्पा की गुंज सुनाई पड़ रही है। प्रति दिन शाम पांच बजे से महिला श्रद्धालु गणपति



पंडाल में एकत्रित होकर गणपति जी के भजन कीर्तन कर उनका गुणगान करने में मग्न हो जाती हैं तथा भजन सुनने वालों को भी झूमने पर मजबूर

कर देती हैं। मोहल्ला सराफा बाजार मीर की सराय स्थित गणपति पंडाल में महिला आयोजक मेधा मराठा के साथ कीर्ति अग्रवाल, सुधा त्यागी, सोनाली, रीना अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, प्रियांशी, धाक्षी, बिनू सिंह,रेनु, समिता वक्ता, मंजू बिश्नोई, उमा बिश्नोई, कुंती सैनी व डिंपल आदि सैकड़ों महिला व युवतियों ने भजन कीर्तन में भाग लेकर मोहल्ले को गणपतिमय बना दिया।

बर्फ तोड़ने के सूप से महिला पर जानलेवा हमला, आरोपी बबली गिरफ्तार

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- साई धाम कॉलोनी में घर में घुसकर परिचित महिला पर बर्फ तोड़ने वाले सूप से हमला करने वाली आरोपी बबली चौहान को पुलिस ने दबोच लिया है। वारदात में इस्तेमाल सुआ भी बरामद कर लिया गया है। घटना 18 सितंबर की शाम की है। जाफ़तागंज निवासी और वर्तमान में दिल्ली के कृष्णा नगर में रह रही बबली चौहान, स्थानीय निवासी दिनेश कुमार के घर पहुंची थी। आरोप है कि शाम करीब 6 बजे उसने दिनेश की पत्नी लक्ष्मी पर अचानक सूप से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में लक्ष्मी की गर्दन और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। पीड़िता ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। चीख-पुकार सुनकर जमा हुए लोगों को देख आरोपी महिला धमकी देते हुए फरार हो गई। यह पूरी सनसनीखेज वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पीड़ित पति की तहरीर पर मामला दर्ज कर पुलिस तपतीश में जुटी थी। रविवार को सब-इंस्पेक्टर पुष्पेन्द्र राठी, कांस्टेबल

मारपीट कर बाइक और नकदी लूटने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने छिनी गई प्लेटिना बाइक, आईकार्ड और 1510 रुपये की नकदी बरामद की

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली शहर पुलिस ने मारपीट कर मोटरसाइकिल, मोबाइल और नकदी छीनने के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छिनी गई प्लेटिना मोटरसाइकिल, आईकार्ड तथा 1510 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार 18 सितंबर को धामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बाजिटपुर निवासी धर्मेन्द्र पुत्र महावीर सिंह ने कोतवाली शहर में तहरीर दी थी। आरोप था कि 28 अगस्त की रात अज्ञात लोगों ने बैराज से रावली जाने वाले मार्ग पर उसे रोक लिया। आरोपियों ने डंडों से मारपीट करते हुए उसका मोबाइल फोन, 2200 रुपये नकद और प्लेटिना मोटरसाइकिल जबरन छीन ली। इसके अलावा फोन-पे के माध्यम से उसके खाते से 9700 रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था। तहरीर के आधार पर कोतवाली शहर में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने मामले में फिरोज अली पुत्र फरियाद अली निवासी मछली मंडी, कस्बा व थाना मंडावर, अमजद खान पुत्र सलीम खान निवासी ग्राम चांदवाला थाना मंडावर तथा मुबारिक पुत्र शहजाद मलिक निवासी मोदी मोड़ा थाना बौड़िया जमुनानगर, हरियाणा को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पृष्ठताछ में आरोपियों ने बताया कि 28 अगस्त को उन्होंने पहले दीपक नामक व्यक्ति को रोककर उसकी प्लेटिना मोटरसाइकिल, मोबाइल और 2800 रुपये छीन लिए थे। इसके बाद धर्मेन्द्र को रोककर उसके साथ मारपीट की और उसकी प्लेटिना बाइक, मोबाइल तथा 2200 रुपये नकद छीन लिए। आरोपियों ने धर्मेन्द्र के मोबाइल से फोन-पे के जरिए 9700 रुपये भी ट्रांसफर किए। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने इसके बाद बाइक लेकर फरार होने से पहले दीपक के मोबाइल से 2200 रुपये और धर्मेन्द्र के मोबाइल से ट्रांसफर की गई रकम में से कुछ रुपये निकाल लिए थे। पृष्ठताछ में मुबारिक द्वारा सीएनजी एचपी पेट्रोल पंप से फोन-पे के माध्यम से प्राप्त धनराशि में से 5000 रुपये निकालने की बात भी सामने आई। आरोपियों ने लूटी गई रकम आपस में बांट ली थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से प्लेटिना मोटरसाइकिल संख्या UP20CR3498, SIL VERTON PULP PAPERS PVT LTD का आईकार्ड तथा 1510 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि मुकदमे में धारा 309(4) का विलोपन करते हुए धारा 310 (2)/3 (5)/ 317(2)/ 115 (2)/ 351(2) बीएनएस की वृद्धि की गई है। मामले में अन्य आवश्यक कार्रवाई जारी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में इंस्पेक्टर सचिन कुमार, सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक हिमांशु, थानाध्यक्ष अनीता मान सहित कोतवाली शहर और सर्विलांस टीम के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

फायरिंग के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, तमंचा और पिकअप बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- थाना कोतवाली शहर क्षेत्र में काली माता मंदिर रोड स्थित हिलर्स हॉस्पिटल के पास 16 सितंबर को दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन और 315 बोर का अवैध तमंचा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, घटना के संबंध में आम जनता में भय एवं दहशत का माहौल पैदा होने के मामले में 19 सितंबर को मुकदमा दर्ज किया गया था। इसमें धारा 109(1) बीएनएस और 7 क्रिमिनल लॉ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश निवासी कनखेड़ी, थाना धामपुर तथा हिमांशु निवासी पयोहारा गिरधर, थाना कोतवाली शहर के रूप में हुई है। पुलिस ने आकाश के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन बरामद किया, जिसे एमवी एक्ट की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया। वहीं हिमांशु के पास से 315 बोर का अवैध तमंचा बरामद हुआ। तमंचा बरामद होने के बाद मुकदमे में आम्स एक्ट की धारा 3/25 की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस पृष्ठताछ में सामने आया कि फायरिंग के दौरान दोनों पक्षों की ओर से जवाबी फायरिंग हुई थी। इसी दौरान पिकअप वाहन का पिछला शीशा टूट गया। घटना के बाद दोनों पक्ष मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त वाहन और अवैध तमंचा बरामद कर लिया है। मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

आभूषण, दो बैटरे और पुलिस टीम पर हमले में इस्तेमाल चाकू बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- थाना कोतवाली शहर पुलिस ने चोरी और पुलिस टीम पर हमले के मामलों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण, दो बैटरे और पुलिस टीम पर हमले में इस्तेमाल किया गया अवैध चाकू बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार पृष्ठताछ में आरोपियों ने कई वारदातों में संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक 28-29 अगस्त की रात बालाजी धाम कॉलोनी में एक बंद मकान का ताला तोड़कर मंगलसूत्र, दो अंगूठियां, चांदी की पाजेब, बिजली फिटिंग का सामान, नकदी और मोबाइल फोन चोरी किए गए थे। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच कर रही थी। इसके अलावा छह सितंबर को ग्राम गंज में पुलिस टीम पर ईट-पत्थर, कांच की बोटलों और धारदार हथियार से हमला किए जाने का मामला सामने आया था। पुलिस के अनुसार हमले में एक पुलिसकर्मी की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किया गया था।इसी क्रम में ग्राम खारी में एक दुकान का ताला तोड़कर दो बैटरे, प्रिंटर और चार हजार रुपये चोरी किए जाने का मामला भी दर्ज था। पुलिस ने इन घटनाओं की जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर 21 सितंबर को मुस्तफाबाद बायपास के पास से शावेज को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार शावेज के कब्जे से एक मंगलसूत्र, पुरुषों की एक अंगूठी, महिलाओं की एक अंगूठी और एक जोड़ी पाजेब बरामद हुईं। साथ ही पुलिस के अनुसार चोरी किए गए आभूषण उसी के पास थे और वह उन्हें बेचने के लिए ले जा रहा था। पुलिस के मुताबिक शावेज ने करीब 20 दिन पहले आरटीओ गेट के पास एक दुकान से दो बैटरे और चार हजार रुपये चोरी करने की बात भी स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर चोरी किए गए बैटरे बरामद किए गए पुलिस ने बरामदगी और पृष्ठताछ के आधार पर संबंधित मुकदमों में धाराओं की बढ़ोतरी की है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मिशन शक्ति केंद्र की काउंसलिंग से दो दंपति में बनी सहमति,मतभेद भुलाकर साथ रहने का लिया संकल्प

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना) :- रविवार को थाना अगौता स्थित मिशन शक्ति केंद्र की टीम के प्रयास से पारिवारिक विवाद से जुझ रहे दो दंपति के बीच आपसी समझौता हो गया। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद टीम ने उन्हें आपसी मतभेद दूर कर साथ रहने के लिए प्रेरित किया। पुलिस के अनुसार रविवार को पति-पत्नी से संबंधित पारिवारिक विवाद के मामले में एक दंपति सीमा व राशिद वहीं दूसरे दंपति काजल व जितेंद्र अपने अन्य परिजनों के साथ मिशन शक्ति केंद्र



पहुंचे। वरिष्ठ उपनिरीक्षक अनोखेलाल गंगवार व टीम ने दोनों पक्षों की बात सुनकर आपसी संवाद के माध्यम से विवाद का समाधान

कराने का प्रयास किया। काउंसलिंग के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से सुलह-समझौता कर लिया। दंपति ने एक-दूसरे पर विश्वास जताते हुए

बीती बातों को पीछे छोड़कर नए सिरे से वैवाहिक जीवन शुरू करने की सहमति दी। उन्होंने भविष्य में आपसी प्रेम और विश्वास के साथ रहने का संकल्प भी लिया। मिशन शक्ति केंद्र की टीम ने दंपति को नवजीवन की शुरूआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए समझाया कि पुरानी बातों को लेकर विवाद न करें तथा आपसी बातचीत और विश्वास के साथ परिवार को आगे बढ़ाएं। दंपतियों ने विश्वास दिलाया कि हम लोग नवजीवन की शुरूआत करते हुए हंसी- खुशी अपना जीवन यापन करेंगे

धनौरा में लेखपाल संघ ने लंबित मांगों पर कार्रवाई न होने पर जताई नाराजगी, कार्य बहिष्कार की दी चेतावनी, सौंपा झापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) :- जनपद के मंडी धनौरा में उत्तर प्रदेश में लेखपाल संघ ने अपनी लंबित मांगों पर कार्रवाई न होने पर शासन प्रशासन के विरुद्ध नाराजगी जताई है। जिसको लेकर संघ द्वारा प्रशासन को चेतावनी दी गई है कि यदि उनकी मांगों का जल्द ही समाधान नहीं हुआ तो प्रदेश भर के लेखपाल आगामी 22 सितंबर 2026 से अपने-अपने क्षेत्र के कार्यों का पूरी तरह से बहिष्कार कर देंगे। बता दें कि संघ ने अपनी मांगों को लेकर उपजिलाधिकारी धनौरा शैलेश कुमार दुबे को उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा है। लेखपाल संघ के अध्यक्ष विकास यादव ने बताया कि स्थानांतरण, पदेन्नति, भत्तों में वृद्धि और वेतन विसंगति जैसी मुख्य मांगों पर सरकार ने बार-बार आश्वासन



दिया है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। संघ की प्रमुख मांगों में अन्तर्मण्डलीय स्थानांतरण शामिल है। करीब 2,700 लेखपाल अपने गृह मंडल से 400 से 800 किलोमीटर दूर काम कर रहे हैं। उनके लिए ऑनलाइन पोर्टल फिर से खोलने की मांग की गई है।लंबित पदेन्नति और परीक्षा परिणाम भी एक बड़ी मांग है। चयन वर्ष 2025-26

की डीपीसी प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी पदेन्नति सूची जारी नहीं हुई है। वहीं, 2024 के नए नियुक्त लेखपालों की परीक्षा के परिणाम 12 महीने बीत जाने पर भी घोषित नहीं किए गए हैं।भत्तों में वृद्धि और ग्रेड पे की मांग भी की गई है। इसमें स्टेनरी भत्ता 500 रुपये, वाहन भत्ता 1500 रुपये और विशेष भत्ता 1000 रुपये करने की मांग शामिल

पाँक्सो मामले में दोषी आरोपी को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना) :- पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा अपराधियों को न्यायालय से प्रभावी सजा दिलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन कनविक्षन के तहत सम्भल पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अभियान के अंतर्गत पुलिस द्वारा मुकदमों में गुणवत्तापूर्ण विवेचना के साथ-साथ अभियोजन पक्ष के माध्यम से न्यायालय में प्रभावी पैरवी कराकर दोषियों को सजा दिलाई जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को थाना बनियाठेर से संबंधित एक मुकदमे में पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते अभियुक्त धर्मपाल पुत्र देशराज खांगी को न्यायालय ने



दोषसिद्ध करार दिया। मामले की सुनवाई अवधेश कुमार सिंह, न्यायालय स्पेशल जज पाँक्सो कोर्ट, सम्भल स्थित चन्दौसी द्वारा की गई। न्यायालय ने संबंधित अभियोग में उपलब्ध साक्ष्यों और अभियोजन पक्ष

की प्रभावी पैरवी के आधार पर अभियुक्त धर्मपाल को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही न्यायालय द्वारा अभियुक्त पर 1,64,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। पुलिस

अधिकारियों के अनुसार ऑपरेशन कनविक्षन के तहत गंभीर अपराधों में विवेचना की गुणवत्ता बनाए रखने, साक्ष्यों को मजबूती से न्यायालय के पक्ष प्रस्तुत करने तथा अभियोजन पक्ष के माध्यम से प्रभावी पैरवी कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य अपराधियों को उनके अपराध के लिए न्यायालय से दंडित कराना और पीड़ितों को न्याय दिलाना है। सम्भल पुलिस द्वारा बताया गया कि गंभीर एवं जघन्य अपराधों से जुड़े मामलों में प्रभावी पैरवी और गुणवत्तापूर्ण विवेचना की प्रक्रिया आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि दोषी अपराधियों को न्यायालय से कठोर सजा दिलाई जा सके।

छात्राओं को स्वच्छता की जानकारी दी

शिकारपुर/बुलन्दशहर (सब का सपना) :- नगर पालिका परिषद द्वारा स्वच्छता ही सेवा व सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन कर स्वच्छता की जानकारी दी गई। सोमवार को नगर पालिका परिषद की टीम में शामिल विवेक कंसल, आशीष कुमार व रवि कुमार द्वारा छात्राओं को सॉलिड वेस्ट



मैनेजमेंट रूल 2026 के बारे में जानकारी दी गई तथा 4 बिन हरा,

नीला, लाल और काले में अलग-अलग कूड़े डाले जाने की प्रणाली

को सरल भाषा में समझाया गया। टीम के सदस्यों ने बताया कि 4 बिन - सही पृथक्करण, स्वच्छ और स्वस्थ नगर का मंत्र ही भविष्य के स्वच्छ भारत की नींव है। सही पृथक्करण से न केवल कचरा रिसाइकल होता है बल्कि बीमारियां भी कम होती हैं। इसके बाद छात्राओं को हॉस्टल व घर में भी 4 बिन प्रणाली अपनाने का संकल्प दिलाया गया।

बुढ़वा मंगल पर्व पर कानपुर में ट्रैफिक डायवर्जन, सोमवार रात से पनकी क्षेत्र में बदला रहेगा मार्ग, इन रूट से नहीं जा सकेंगे वाहन

कानपुर। बुढ़वा मंगल पर्व के दृष्टिगत पनकी क्षेत्र में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ व यातायात व्यवस्था बनाए रखने को ट्रैफिक पुलिस ने दो दिन के लिए डायवर्जन लागू कर दिया है। यह डायवर्जन सोमवार रात 11 बजे से लागू होगा, जो अगले दिन कार्यक्रम समाप्ति तक रहेगा। डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार ने बताया कि यातायात डायवर्जन के साथ ही पुलिस ने वाहनों की पार्किंग व्यवस्था भी की है। ये है डायवर्जनकल्याणपुर की ओर से आने वाले वाहन आवास विकास नहर पनकी से आगे शताब्दी द्वार एवं पनकी मंदिर की ओर नहीं जाएंगे। इन वाहनों को आवास विकास नहर पनकी से अमापुर नहर तिराहा अथवा एमआइजी तिराहा होते हुए निकाला जाएगा। इसी तरह पनकी रोड चौकी से आने वाले वाहनों को पनकी नहर की ओर नहीं जाने दिया जाएगा। डबल पुलिसा विजय नगर होते हुए जा सकेंगे। भाटिया तिराहा से आने वाले वाहन



पनकी मंदिर की ओर नहीं जाएंगे। इन वाहनों को अमापुर नगर होते हुए निकाला जाएगा। नारायना कालेज चौराहे से आने वाले वाहन शताब्दी द्वार तिराहा की ओर न जाकर गंगांगज क्रॉसिंग होते हुए गंतव्य को जाएंगे। पनकी पडाव गंगांगज क्रॉसिंग से आने वाले वाहन पनकी मंदिर की ओर नहीं जाने दिए जाएंगे। इधर जाने वाले वाहन भाटिया पुल, एमआइजी तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। ऐसे ही भींती बाईपास चौराहा से विजय नगर चौराहा की ओर एवं

विजय नगर चौराहा से भींती बाईपास चौराहा की ओर कोई भी वाहन नहीं जाने दिया जाएगा। भींती बाईपास से एलएमएल चौराहा होते हुए दादा नगर, विजय नगर चौराहा मार्ग से आने वाले वाहनों के लिए मार्ग एवं पार्किंग कानपुर देहात से सचेंडी भींती बाईपास चौराहा होते हुए पनकी मंदिर की ओर जाने वाले श्रद्धालु भींती चौराहा से आगे पनकी पडाव गंगांगज क्रॉसिंग से बायें मंदिर तक पहुंचेंगे। वाहनों के लिए पार्किंग स्थल स्टेशन

रोड तिराहा से पूर्व गंगांगज मार्ग के दोनों ओर एवं इस मार्ग से अन्य विभिन्न लिंक मार्गों पर रहेगी। हमीरपुर, फतेहपुर, उन्नाव व अन्य जिलों की ओर से आने वाले श्रद्धालु जो घंटाघर चौराहा, रामादेवी चौराहा, नौबस्ता चौराहा, विजयनगर चौराहा होते हुए पनकी मंदिर की ओर आएंगे, उनके वाहन भाटिया तिराहा से दाहिने मंदिर तक एवं स्टेशन रोड होते हुए मंदिर परिसर तक पहुंचेंगे। जो श्रद्धालु भाटिया तिराहे से मंदिर की ओर जाएंगे, वह अपना वाहन एमआइजी तिराहा के अंदर और पनकी थाना मार्ग के दोनों तरफ पार्क करेंगे। कनौज, कानपुर देहात, फरुखाबाद की ओर से कल्याणपुर होते हुए जो श्रद्धालु पनकी मंदिर जाएंगे, उनके वाहन कल्याणपुर से आवास विकास नहर पनकी होते हुए एमआइजी रोड एवं सब्जी मंडी तिराहा पर स्थित रामलीला मैदान में अपने वाहन खड़े कर पनकी मंदिर की ओर जा सकेंगे।

मुल्तानी बिरादरी के 13 डेलीगेट निर्वाचित, नई कमेटी के गठन का रास्ता साफ

1560 मतदाताओं में से 1248 ने किया मतदान, देर शाम घोषित हुए चुनाव परिणाम

नगीना/बिजनौर (सब का सपना) :- नगर की मुल्तानी बिरादरी की नई कमेटी के गठन के लिए रविवार को 13 डेलीगेट्स का निर्वाचन शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। चुनाव में कुल 36 प्रत्याशी मैदान में थे, जबकि बिरादरी के 1560 मतदाताओं में से 1248 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचित डेलीगेट्स अब अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी का गठन करेंगे। इसके बाद दो सदस्यों की नामित किया जाएगा। रविवार को अकबराबाद चौक के निकट स्थित एक बैंक्वेट हॉल में सुबह आठ बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। बैलेट पेपर के माध्यम से दोपहर दो बजे तक मतदान कराया गया। इसके बाद मतगणना शुरू हुई और देर शाम चुनाव परिणाम घोषित किए गए। निर्वाचन अधिकारी ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि 36 प्रत्याशियों में से खलीक अहमद, नासिर खान, हैदर सलीम, मोहम्मद साजिद, नासिर अहमद, अजीम, मोहम्मद सिद्दीक,



मतीन अहमद, मोहम्मद आसिम, इकरार अहमद, आतिफ अमीर, आबिद अशी और मोहम्मद जावेद डेलीगेट्स के रूप में निर्वाचित हुए हैं। परिणाम घोषित होने के बाद निर्वाचित डेलीगेट्स के समर्थकों ने उन्हें फूलों की मालाओं से लादकर विजय जुलूस निकाला। डॉ. दाऊद मुल्तानी मुल्तानी बिरादरी के सरपरस्त-ए-आला डॉ. दाऊद मुल्तानी ने बताया कि बिरादरी की कमेटी का गठन पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। पहले डेलीगेट्स के चुनाव के लिए इच्छुक लोग अपनी नामजदगी कराते हैं। इसके बाद बिरादरी के पुरुष

मतदाता बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान कर डेलीगेट्स का निर्वाचन करते हैं। उन्होंने बताया कि कमेटी का प्रमुख दायित्व बिरादरी के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना, मेधावी विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग करना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद लोगों की मदद करना है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान गणमान्य लोग रहे मौजूद चुनाव प्रक्रिया के दौरान नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन ताहिरा बेगम के पुत्र एवं निकाय संघ के जिलाध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील, काष्ठ कला उद्यमी जुल्फिकार आलम, डॉ. दाऊद मुल्तानी, इश्राद

अली मुल्तानी, एमएम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य शाहिद अली गौहर, काष्ठ कला उद्यमी सलीम अहमद वहील वाले, डॉक्टर कमाल, ताहिर मुल्तानी, आफताब मुल्तानी, मोहम्मद नासिर, सरतावतुर्हमान, मोहम्मद शफी, मोहम्मद ताहिर, मोहम्मद आबिद, अब्दुल मलिक, रईस अहमद दादा और शहाबुद्दीन समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। चुनाव प्रक्रिया नगीना के सलाउद्दीन, इमामुद्दीन, मोहम्मद राशिद, मोहम्मद साकिब, मोहम्मद अहमद, दिल्ली के मोहम्मद जैद, कोटवाड़ा के खलील अहमद, मुजफ्फरनगर के हाजी मोहम्मद जाहिद व सलाउद्दीन, नजीबाबाद के तसलीम अहमद, हाफिज साहब, मोहम्मद जुबैर, डॉ. नसीम तथा खतौली के शहबाज इकबाल, मिर्जा आबिद अली, आफजाल मिर्जा, अब्दुरहीम, वसीम समद, इंजीनियर उस्मान अहमद, मिर्जा मोबिन, बनत के खलीक अहमद और नवेद अख्तर आदि की देखरेख में संपन्न हुई।

डिडौली क्षेत्र में 40 वर्षीय युवक ने लगाई फांसी मौत, परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से किया इन्कार



डिडौली/अमरोहा (सब का सपना) :- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र में सोमवार को एक 40 वर्षीय युवक ने फांसी का फंदे पर लटक कर अपनी जान दे दी। इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि युवक ने मानसिक परेशानी के चलते यह कदम उठाया था। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। उधर घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसने मृतक



अपने परिवार के साथ गांव में रहते थे। उनकी शादी डिडौली थाना क्षेत्र के मीरपुर गांव की रूमा से हुई थी। दंपती के तीन बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और दो बेटियां शामिल हैं।परिजनों ने बताया कि मुहम्मद गनी दिमागी रूप से परेशान थे। अनुमान लगाया जा रहा है कि उन्होंने घर-गृहस्थी की परेशानियों के चलते यह कदम उठाया। हालांकि, आत्महत्या की असली वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच

कर रही है।घटना के बाद मृतक की पत्नी रूमा और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार और गांव के लोगों में भी शोक का माहौल है। डिडौली अपराध निरीक्षक नरेंद्र कुमार ने बताया कि परिजन पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर रहे हैं। पुलिस ने जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले से जुड़े तथ्य जुटाए जा रहे हैं। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से सबूत इकट्ठे किए हैं।

गुलावठी में डी. एन पीजी कॉलेज मे पहली बार हुआ ओपन शतरंज टूर्नामेंट

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना) :- गुलावठी में पहली बार गुलावठी प्रथम ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन एस.सी.ए.एम. पब्लिक स्कूल, गुलावठी में किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन गुलावठी चैस क्लब के तत्वावधान में किया गया। गुलावठी चैस क्लब के संस्थापक प्रो. अवधेश कुमार सिंह (डी.एन.पी.जी. कॉलेज), आकाश गर्ग एवं विवेक आर्यन हैं। प्रतियोगिता में कुल 5 राउंड खेले गए। प्रतियोगिता में नारायण ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 3100 व ट्रॉफी, कविष सक्सेना ने द्वितीय स्थान पर 21800 व ट्रॉफी, नीलेश ने तृतीय स्थान पर



1100 व ट्रॉफी, हितेश टोमर ने चतुर्थ स्थान पर 800 व ट्रॉफी तथा निशांत श्रीवास्तव ने पंचम स्थान पर 500 व ट्रॉफी प्राप्त की। सोनम ने 800 व ट्रॉफी सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ी: वंश कौशिक ने ट्रॉफीप्रतियोगिता में बुलंदशहर चैस

क्लब के शीर्ष खिलाड़ियों नीलेश, हितेश टोमर और संदीप शर्मा ने भी हिस्सा लिया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में संदीप शर्मा, हितेश टोमर, निशांत श्रीवास्तव, सुरजीत सिंह, अनुज (एन्यू पाल) एवं ऋषभ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी

सहयोगकताओं ने प्रतियोगिता के आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गुलावठी चैस क्लब के संस्थापक प्रो. अवधेश कुमार सिंह (डी.एन.पी.जी. कॉलेज), आकाश गर्ग एवं विवेक आर्यन ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य गुलावठी क्षेत्र में शतरंज को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच प्रदान करना है। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी गुलावठी में शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को शतरंज के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल सकें।

अमेरिका में मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च की नई दिशा पर बनेगी रणनीति, कानपुर आईआईटी के विशेषज्ञ भी होंगे शामिल

कानपुर। मेडेटेक और हेल्थटेक इनोवेशन को प्रयोगशाला से मरीज तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं आईआईटी ने अब मेडिकल शिक्षा और अनुसंधान पर अपना फोकस बढ़ा दिया है। इसके लिए आईआईटी निदेशक प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल की अगुआई में आईआईटी की टीम अमेरिका पहुंची है जहां दुनिया के शीर्ष चिकित्सा एवं तकनीकी विशेषज्ञों के साथ 22 सितंबर को फेस 2026 का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के फ्यूचर ऑफ मेडिसिन सत्र में आईआईटी समेत वैश्विक संस्थाओं के विशेषज्ञ इस बात पर ध्यान करेंगे कि मेडिकल साइंस, इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अत्याधुनिक शोध के मेल से भविष्य की चिकित्सा को किस तरह ढाई दिशा दी जाए। फेफड़ों के कैंसर की एआइ आधारित शुरूआती पहचान, ऑक्सिजन कंसंट्रेंटर, एन95 मास्क,



ब्रेस्ट हेल्थ सेंसर पैच और आइसीयू मॉनिटरिंग जैसी तकनीकों का विकास पिछले कुछ सालों में आईआईटी के इंजीनियरों और स्टार्टअप इको सिस्टम की मदद से किया गया है। आईआईटी का गंगवाल स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज और वाधवाजी एंडोवेशन सेंटर फार लाइफ साइंसेज एंड मेडिकल टेक्नोलॉजीज भी आईआईटी की इंजीनियरिंग शिक्षा केन्द्र की पहचान को बदल रहे हैं। इसी क्रम को विस्तार देते हुए 22

प्रो. सुनील के. अग्रवाल, आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव और आर्टोस की मिहिका जैन भी शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ इस बात पर मंथन करेंगे कि मेडिकल साइंस, इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अत्याधुनिक शोध के मेल से भविष्य की चिकित्सा को किस तरह ढाई दिशा दी जाए। चिकित्सा के बदलते स्वरूप में विज्ञान और तकनीक की भूमिका पर होने वाली चर्चा के साथ विशेषज्ञ इस बात पर विचार करेंगे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोमैडिकल इंजीनियरिंग, मेडिकल डिवाइस, जीन एवं सेल आधारित तकनीक और डेटा आधारित स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को किस तरह आगे बढ़ाया जा सकता है। गंगवाल स्कूल आफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के संदर्भ में यह संवाद महत्वपूर्ण है।

